संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -288 रविवार, 20 अगस्त 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

कम होंगी पेट्रोल-डीजल,एलपीजी की कीमतें

नई दिल्ली,19 अगस्त 2023 (ए)। हाल ही में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार महंगाई से राहत देते हुए पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती करेगी? जिस पर अब पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बड़ी प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक इवेंट में लोकसभा चुनाव से पहले ईंधन की कीमतें कम होने के सवाल पर कहा कि यह एक गलत धारणा है कि सरकार अगले साल लोकसभा चुनाव से पहले ईंधन की कीमतें कम करेगी।

ऐसे दावों में कोई दम नहीं:पुरी

आजतक के जी20 समिट में जब हरदीप पुरी से पूछा गया कि क्या चुनाव से पहले लोगों को राहत देने के लिए ईंधन की कीमतें कम होने जा रही हैं। इसके जवाब में हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ये मीडिया द्वारा फैलाया गया दावा है, लेकिन इसमें कोई दम नहीं है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर क्या बोले मंत्री ?

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों, परिवहन लागत, रिफाइनिंग लागत और टैक्स जैसे कई कारकों से तय होती हैं। उन्होंने कहा कि देश में ईंधन की कीमतें इस बात से तय होती हैं कि सरकार ऐसे कारकों से कैसे निपटती है।

ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती की:पुरी

वहीं कोरोना काल के दौरान महामारी के बाद 2022 में तेल की कीमतें बढ़ने का जिक्र करते हुए हरदीप पुरी ने कहा कि भारत ने तेल आपूर्ति करने वाले देशों से कीमतें कम करने के लिए नहीं कहा। बल्कि, सरकार ने कीमतें कम करने के लिए ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती की।उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा भाजपा शासित राज्यों में सरकार ने ईंधन पर वैट घटाकर 8 रुपए से 11 रुपये तक कीमतें कम कर दीं।

अभद्र पोस्ट करने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

» कहा माफी मांग लेने से नहीं चलेगा काम,

» अब भुगतना होगा नतीजा

» महिला पत्रकारों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का केस दर्ज

नई दिल्ली,19 अगस्त 2023 (ए)। सोशल मीडिया पर किए गए अभद्र पोस्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त ने तल्ख टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका की सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस प्रशांत कुमार की बेंच ने कहा कि यदि कोई वक्ति सोशल मीडिया पर अभद्र और अपमानजनक पोस्ट डालता है तो उसे सजा मिलनी ही चाहिए। केवल माफी से काम नहीं चलेगा।जस्टिस ने कहा कि ऐसे ही लोग अभद्र टिप्पणी कर के दूसरों को अपमानित करते है और माफी मांग लेते है ऐसे में वे अपराधिक कार्यवाही से बच जाते है। लेकिन अब उन्हें अपने किए का नजीता भुगताना ही पड़ेगा सिर्फ माफी मांग लेने से काम नहीं चलेगा। कोर्ट ने तमिल एक्टर और पूर्व विधायक एस वे शेखर (72) के खिलाफ दर्ज मामले को खारिज करने से इनकार कर दिया। उनके खिलाफ महिला पत्रकारों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का केस दर्ज है।

क्या है मामला

मामला 2018 का है। शेखर ने अपने फेसबुक पर महिला पत्रकारों को टारगेट करते हुए आपत्तिजनक पोस्ट किया था। दरअसल एक महिला पत्रकार ने तमिलनाडु के तत्कालीन गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित पर अभद्रता का आरोप लगाया था। शेखर ने महिला पत्रकार के इसी आरोप को लेकर अपनी राय दी थी।

बेंगलुरु एक्सप्रेस के तीन एसी डिब्बों में लगी भीषण आग

घटना में कोई हताहत नहीं,रेलवे प्रशासन अलर्ट

सोलापुर ,19 अगस्त 2023 (ए)। मध्य रेलवे मंडल के सोलापुर रेलवे स्टेशन से चलने वाली बेंगलुरु एक्सप्रेस के तीन वातानुकूलित (एसी) डिब्बों में शनिवार सुबह बेंगलुरु स्टेशन पर आग लग गई। सोलापुर सेक्शन से चलने वाली बेंगलुरु एक्सप्रेस से सैकड़ों यात्री बेंगलुरु जाते हैं। यह एक्सप्रेस शुक्रवार शाम 4 बजे सोलापुर रेलवे स्टेशन से बेंगलुरु की ओर चली।

आज सुबह बेंगलुरु स्टेशन पर रुकते समय वातानुकूलित डिब्बों से धुआं निकलने लगा। इसके बाद स्टेशन पर मौजूद रेलवे अधिकारियों ने तुरंत आग बुझाने की कोशिश की। इस घटना में ट्रेन की बोगी को काफी नुकसान पहुंचा है वहीं सभी यात्री सुरक्षित है। घटना के बाद रेलवे प्रशासन अलर्ट हो गया है और रेलवे अधिकारी आग लगने के कारणों की गहन जांच और पड़ताल कर रहे हैं।

दागी नेताओं की बीजेपी में एंट्री पर गडकरी का बड़ा बयान

» राहुल गांधी के बयान पर गडकरी ने हास्यास्पद बताया

नई दिल्ली,19 अगस्त 2023 (ए)। कलंकित और भ्रष्टाचार के आरोपी नेताओं को भाजपा में शामिल किया जा रहा है। शुरुआत में बीजेपी ही विपक्षी पार्टियों के दम पर नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाती है, जांच कराती है और फिर उन नेताओं को बीजेपी में शामिल कर लिया जाता है। इस सवाल पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि बीजेपी के पास इको फ्रेंडली साबुन है।

गडकरी ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया था जहां पर उनसे सवाल पूछा गया। क्या बीजेपी का बनाया साबुन वॉशिंग मशीन में पड़े हर दाग वाले नेता को साफ कर देता है? यह पूछने पर पहले तो गडकरी हंसे फिर बोले हमारा साबुन पर्यावरण अनुकूल है। देखिए, राजनीति में लोग आते-जाते रहते हैं। चीजें होती रहती हैं। ये सब ऐसे ही चल रहा है। राजनीति संरचना, सीमा और विरोधाभास का खेल है और इसमें चुनाव जीतने की राजनीति सबसे महत्वपूर्ण है और जो जीतेगा वही सिकंदर होगा। कभी-कभी सहयोगियों को मित्र बनाने होते हैं, लोग आते हैं। नितिन गडकरी ने जवाब दिया कि हम भी अपनी ताकत बढ़ाना चाहते हैं। मैं चुनाव को देखकर काम नहीं करता, जब सड़कें बनती हैं तो लोग अपना प्रचार करते हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जनवरी-फरवरी तक खुल जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए वेटिंग लिस्ट है। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा इलेक्ट्रिक बसें, इलेक्ट्रिक कारें, इलेक्ट्रिक स्कूटर, इलेक्ट्रिक मर्सिडीज भी लॉन्च की गई हैं। यदि आप पेट्रोल और डीजल वाहन पर प्रति माह 28,000 रुपये या 30,000 रुपये खर्च करते हैं, तो आप इलेक्ट्रिक वाहन पर 2,000 रुपये खर्च करते हैं और इस प्रकार आप प्रति माह 28,000 रुपये बचा रहे हैं।

आरएसएस और केंद्र सरकार पर राहुल गांधी के बयान पर केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने इसे बेहद हास्यास्पद बताया, ये बिल्कुल गलत है। यह परिपक्वता का लक्षण नहीं है। मैं जानता हूं कि जब आप खिलाफ होते हैं तो आपको विरोध करना पड़ता है, खिलाफ बोलना पड़ता है। गडकरी ने कहा कि लोगों को लगना चाहिए कि इस मामले में कुछ सच्चाई है, मैं उन्हें बोलने की सलाह दूंगा।

ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दूसरा समन भेजा

» 24 को उपस्थित होने का निर्देश

» जमीन हड़पने का मामला:ईडी ने 24 अगस्त को सीएम सोरेन को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली,19 अगस्त 2023 (ए)। ईडी ने जमीन हड़पने के एक मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 24 अगस्त को पेश होने के लिए बुलाया है। इससे पहले, सोरेन को 14 अगस्त को जांच में शामिल होने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने एजेंसी से और समय मांगा। इससे पहले अवैध खनन मामले में मुख्यमंत्री से ईडी के रांची कार्यालय में उनकी पत्नी समेत करीब 10 घंटे तक पूछताछ की गयी थी। जमीन कब्जा मामले में ईडी ने एक आईएएस अधिकारी समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। 8 जुलाई को सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के आवास पर छापेमारी की गयी थी। ईडी को मुख्यमंत्री के बैंक खाते से जुड़ा एक चेकबुक मिला, इसके बाद उनका नाम इस मामले से जुड़ गया।

सैंकड़ों परिवारों को मिलेगा लाभ

प्रशासन ने सुलझाया पानी टंकी का विवाद,चयनित जगह पर बनेगी पानी टंकी,ग्रामीणों ने दिया प्रशासन को धन्यवाद

» **जल जीवन मिशन के तहत देश भर में घर-घर तक पानी पहुंचाने को लेकर केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा नलजल योजना की शुरूआत की गई है। जिसके तहत गांव-गांव, घर-घर पानी पहुंच सके। इसी योजना के तहत जिले के कई ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को पानी भी मिलने लगा है और लोग योजना का लाभ पाकर काफी खुश भी हैं तो कई जगहों पर आज भी लोगों तक इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिसको लेकर जिला प्रशासन लगातार प्रयास कर रही है।**

-अरविंद द्विवेदी-
अनूपपुर,19 अगस्त 2023 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत परसवार के ग्राम मौहरी में भी नलजल योजना का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था। जिस पर गांव के कुछ लोगों द्वारा आपत्ति जताते हुये विवाद किया गया और उसकी शिकायत की गई। जबकि पानी टंकी निर्माण का कार्य ठेकेदार द्वारा उपसरपंच व ग्रामीणों की सहमति से स्थल चयन के बाद शुरू किया गया था। लेकिन गांव के ही कुछ लोगों द्वारा कार्य पर आपत्ति जताते हुये निर्माण कार्य में रोक लगाने के लिये कलेक्टर से शिकायत की थी। वहीं निर्माण कार्य पर रोक लगने से नाराज उपसरंपच व गांव के सैंकड़ों ग्रामीणों द्वारा भी कलेक्टर से शिकायत की गई और पानी टंकी निर्माण कार्य में उत्पन्न समस्या के निराकरण की गुहार लगाई।

योजना से सैंकड़ों परिवारों को मिलेगा लाभ

जल जीवन मिशन के तहत ग्राम मौहरी में बन रहे पानी टंकी निर्माण से गांव में निवासरत सैंकड़ों आदिवासी, हरिजन, ओबीसी समेत सामान्य वर्ग के परिवार को लाभ मिलेगा। गांव में अभी भी सैंकड़ों ऐसे परिवार हैं जिनके पास पानी की स्थायी व्यवस्था नहीं है, वह आज भी हैंडपंप के सहारे अपना जीवन जी रहे हैं। अब नलजल योजना से प्रत्येक वर्ग के ग्रामीणों के घरों तक पानी मिल सकेगा। गांव में वर्षो से निवासरत ग्रामीणों ने बताया कि इस योजना से अब हमें जल संकट से नहीं जूझना पे`गा।

शिकायत के बाद प्रशासन ने लिया संज्ञान

पानी टंकी विवाद को लेकर ग्राम मौहरी के दोनो पक्षों द्वारा 1 अगस्त को जनसुनवाई में कलेक्टर के पास शिकायत की गई थी जिसके पश्चात जिला प्रशासन ने दोनो ही पक्षों की समस्या सुनी। इसके पश्चात जिला प्रशासन की टीम तहसीलदार गौरीशंकर शर्मा, एसडीओ पीएचई नीलिमा सिंह, आरआई ज्वाला प्रसाद साकेत, पटवारी राजीव सिंह एवं रूपनारायण प्रजापति मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करते हुये उपसरपंच व ग्रामीणों द्वारा चयन किये गये स्थल को सही ठहराया और सुरक्षा और सुविधा की दृष्टि से बाउंड्रीवाल के अंदर ही पानी टंकी निर्माण कार्य की अनुमति प्रदान की गई।

गांव की एकता तोड़ने का प्रयास रहा असफल

ग्राम मौहरी में निर्माणाधीन पानी टंकी को लेकर शुरू से ही वर्ग विषेश के द्वारा इस बात का दबाव बनाने का प्रयास किया गया था कि निर्माण कार्य में उसकी भी सहभागिता जरूरी है और गांव के कुछ लोगों को गुमराह कर पानी टंकी निर्माण कार्य का विरोध किया गया। वहीं सरपंच पति के साथ मिलकर गांव की एकता को तो ने का प्रयास किया गया लेकिन दूसरे वर्ग के द्वारा स्थल चयन और पानी टंकी निर्माण को लेकर अपनी बातों पर अड़े रहे। जिस पर प्रशासन की पहल पर चयनित स्थल पर ही पानी टंकी को बनाये जाने की सहमति बनी। इस तरह से अलग-अलग वर्गो के लोगों को तो ने का काम आज भी कुछ लोग कर रहे हैं ताकि उनकी राजनीति और व्यापार फलफूल सके। लेकिन ग्राम मौहरी में अंततः गांव के वरिष्ठजनों की एकता से दूसरे पक्ष को मुह की खानी पड़ी।

प्रशासन के फैसले से खुश हुये ग्रामीण

पानी टंकी विवाद को लेकर ग्राम मौहरी के दोनो पक्षों द्वारा जनसुनवाई में कलेक्टर के पास शिकायत की गई थी। जिसके पश्चात जिला प्रशासन द्वारा मौके पर पटवारी को भेजकर मौका निरीक्षण कराया गया। लेकिन विवाद खत्म न होने के कारण जिला प्रशासन द्वारा 19 अगस्त को तहसीलदार, एसडीओ पीएचई, आरआई, पटवारी को भेजकर मौका निरीक्षण कर विवाद को सुलझाया गया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों द्वारा दोनो पक्षों से चर्चा करते हुये आपसी सहमति कराकर चयनित स्थल पर पानी टंकी निर्माण के आदेश दिये गये। जिला प्रशासन के इस फैसले से ग्रामीण काफी खुश हैं और उन्होंने जिला प्रशासन व अधिकारियों को धन्यवाद दिया है।

आपसी सहमति से होता है गांव का विकास

ग्राम मौहरी में पानी टंकी विवाद सुलझने के बाद ग्रामीणों में खुशी की लहर है। ऐसे में मौके पर पहुंचे अधिकारियों व गांव के उपसरपंच मोले बैगा, वरिष्ठ नागरिक महेन्द्र श्रीवास्तव, कैलाष पटेल, तेरसू बैगा, रामा कोल, टीकम जाटव, सुखीलाल यादव, राजू जाटव एवं समस्त ग्रामीणों ने कहा कि आपसी सहमति से ही गांव का विकास होता है। गांव में किसी भी प्रकार के विवाद व समस्या को आपस में बैठकर ही सुलझाना उचित होता है। गांव के आपसी सहयोग व तालमेल से गांव का पूर्ण विकास संभव है।

मेडिकल फर्म ने गोवा चुनाव के लिए आप को 13 करोड़ रुपये कराया मुहैया

नई दिल्ली,19 अगस्त 2023 (ए)। जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल को एक नया पत्र लिखा है, इसमें उसने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन पर एक प्राइवेट फर्म 'मेट्रोपोलिस लेबोरेटरी एंड पैथोलॉजी सेंटर्स' को मेडिकल कॉन्ट्रैक्ट देने के लिए नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उसने आरोप लगाया कि गोवा चुनाव के लिए प्राइवेट कंपनी ने आम आदमी पार्टी (आप) को 13 करोड़ रुपये दिये थे।

पत्र में लिखा, केजरीवाल सरकार ने मुख्य रूप से दिल्ली जेल के सभी कैदियों के लिए दिल्ली सरकार के तहत विभिन्न अस्पतालों के ब्लड और अन्य बायोसैंपल्स को संसाधित करने के लिए एक प्राइवेट फर्म 'मेट्रोपोलिस लेबोरेटरी एंड पैथोलॉजी सेंटर्स' को कई मेडिकल कॉन्ट्रैक्ट्स दिए हैं। इस आवेदन/शिकायत को दर्ज करने का कारण यह है कि पिछले गोवा चुनाव के दौरान, मेरे कर्मचारियों द्वारा मुझे दिए गए सत्येन्द्र जैन के निर्देश पर मुंबई में मेट्रोपोलिस लैब्स के कार्यालय से 3 किश्तों में 13 करोड़ रुपये का भुगतान एकत्र किया गया था।

चंद्रशेखर ने आगे आरोप लगाया है कि फेसटाइम चैट में से एक में, जैन और केजरीवाल ने उल्लेख किया था कि मेट्रोपोलिस के निदेशक करीबी दोस्त हैं और वह फंडिंग कर रहा हैं, क्योंकि उन्होंने कंपनी की मदद की है, और राशि मुंबई से एकत्र की जानी चाहिए और गोवा और बेंगलुरु भेजी जानी चाहिए।

चंद्रशेखर ने अपने पत्र में आरोप लगाया, इसके बाद, मेरे स्टाफ ने मुंबई में मेट्रोपोलिस के कार्यालय से 7-8 घंटों में दो किश्तों में 13 करोड़ की राशि एकत्र की, और जैन द्वारा लगातार समन्वय किया गया। 13 करोड़ में से 5 करोड़ जैन के चचेरे भाई डॉक्टर हिमेश को बेंगलुरु भेजे गए, जो बेंगलुरु के इंद्रानगर में रहते हैं। बाकि 8 करोड़ रुपये गोवा भेजे गए, जिसे अज्ञात व्यक्तियों ने एकत्र किया, जिसका विवरण जैन ने भेजा था। चन्द्रशेखर ने दावा किया कि उक्त धनराशि की डिलीवरी के बाद, केजरीवाल ने व्यक्तिगत रूप से फोन किया और फेसटाइम कॉल पर उन्हें धन्यवाद दिया और एलजी से केजरीवाल सरकार द्वारा मेट्रोपोलिस लैब्स को दिए गए कॉन्ट्रैक्ट्स की विस्तार से जांच कराने का अनुरोध किया।

ईडी और सीबीआई से मामले को देखने का आग्रह करते हुए, ठग ने मेट्रोपोलिस लैब्स, मुंबई कार्यालय से प्राप्त और एकत्र किए गए 13 करोड़ के उपरोक्त लेनदेन के फेसटाइम और व्हाट्सएप चैट प्रस्तुत करने की इच्छा व्यक्त की।

गर्भपात की याचिका टालने पर सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी

मामले की सुनवाई सोमवार को होगी

नई दिल्ली,19 अगस्त 2023 (ए)। उच्चतम न्यायालय ने एक बलात्कार पीड़िता की गर्भपात कराने की उसकी याचिका को 12 दिनों तक टालने पर गुजरात उच्च न्यायालय की शनिवार को कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे मामले में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं, बल्कि तत्परतापूर्वक निपटा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने गुजरात के एक मामले में 'विशेष सुनवाई' करते हुए भ्रूण को हटाने की संभावना का पता लगाने के लिए भरूच की एक मेडिकल बोर्ड से एक नई रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। पीठ ने कहा कि वह इस मामले में सोमवार को अगली सुनवाई कर इस मसले पर विचार करेगी। पीड़िता के अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष कहा कि उच्च न्यायालय ने मामले की तारीख 23 अगस्त तय की है, जिससे उसकी गर्भावस्था 28 सप्ताह की हो जाएगी।

अधिवक्ता ने हालांकि कहा कि, याचिका सात अगस्त को दायर कई और 11 अगस्त को सुनवाई हुई थी। उन्होंने शीर्ष अदालत के समक्ष यह भी कहा कि याचिकाकर्ता महिला को चार अगस्त को अपनी गर्भावस्था के बारे में पता चला और उसने सात अगस्त को उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका दायर की थी।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने शीर्ष अदालत की पीठ के समक्ष यह भी कहा कि इस मामले में उच्च न्यायालय का आदेश रिकॉर्ड पर भी उपलब्ध नहीं था। शीर्ष अदालत की पीठ ने उच्च न्यायालय का आदेश उपलब्ध नहीं होने की याचिकाकर्ता के वकील की बात पर कहा, अगर विवादित आदेश मौजूद ही नहीं है तो हम कोई आदेश कैसे पारित कर सकते हैं। इस मामले को स्थगित करने में मूल्यवान दिन बर्बाद हो गए हैं। देखिए, ऐसे मामलों में तात्कालिकता की भावना होनी चाहिए न कि उदासीन रवैया। हमें ऐसी टिप्पणियाँ करने के लिए खेद है। हम इसे सोमवार को पहले मामले के रूप में सूचीबद्ध करेंगे। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि चूंकि कीमती समय पहले ही बर्बाद हो चुका है, इसलिए भरूच के मेडिकल बोर्ड से नई रिपोर्ट मांगी जा सकती है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हम याचिकाकर्ता को एक बार फिर से पूछताछ के लिए केएमसीआरआई के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश देते हैं और नवीनतम स्थिति रिपोर्ट कल रविवार शाम छह बजे तक इस अदालत में प्रस्तुत की जा सकती है।

संपादकीय

भाजपा में चुनावी राज्यों पर चिंता

भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक बुधवार की शाम को पार्टी मुख्यालय में हुई। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। इससे इस बैठक की गंभीरता का पता चलता है। हालांकि हैरान करने वाली बात यह है कि केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक आमतौर पर चुनावों की घोषणा के बाद होती है और बैठक के तुरंत बाद उम्मीदवारों की घोषणा होती है। यह कमेटी उम्मीदवारों के नाम तय करने के लिए बैठती है। इस बार ऐसा नहीं हुआ है। इस बार बैठक चुनाव की रणनीति पर विचार के लिए हुई। कायदे से यह विचार विमर्श भाजपा के संसदीय बोर्ड की बैठक में होनी चाहिए थी, लेकिन वह चुनाव समिति की बैठक में हुई। बताया जा रहा है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व राज्यों में चुनावी तैयारियों और हालात को लेकर बहुत भरोसे में नहीं है। भाजपा के जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी को कांग्रेस शासित दोनों राज्यों की चिंता है। यानी राजस्थान और छत्तीसगढ़ को लेकर भाजपा ज्यादा चिंता में है। यह हैरान करने वाली बात है क्योंकि अब तक यह माना जा रहा था कि भाजपा राजस्थान में अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है और मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ को लेकर चिंता में है। लेकिन पार्टी की बुधवार को हुई बैठक के बाद दूसरी खबर सामने आ रही है।

ध्यान रहे बुधवार की बैठक में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल थे। वे चुनावी राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य के तौर पर बैठक में शामिल हुए। उन्होंने अपनी सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में चुनाव समिति को बताया। जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी इसके बारे में पहले से जानकारी है। पिछले दिनों अमित शाह ने भोपाल का दौरा किया था तब भी उनको फीडबैक मिली थी। पार्टी को अलग अलग सोर्सेज से मिली जानकारी का लब्बोलुआब यह है कि शिवराज सरकार ने लाड़ली बहन योजना सहित जो दूसरी योजनाएं शुरू की हैं उनका जमीनी स्तर पर असर हो रहा है। इसलिए मध्य प्रदेश में मुकाबला एकतरफा नहीं है। कांटे की लड़ाई है, और प्रचार व प्रबंधन से पलड़ा किसी भी तरफ झुक सकता है।

बताया जा रहा है कि जिस तरह से मध्य प्रदेश में सरकार की योजनाएं असर दिखा रही हैं उसी तरह राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस की सरकारों की ओर से चलाई जा रही योजनाओं का असर दिख रहा है और यही बात भाजपा को चिंता में डालने वाली है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की शुरू की गई चिरंजीवी योजना हो या न्यूनतम आय की योजना हो, उसका व्यापक असर हुआ है। इसी तरह छत्तीसगढ़ में न्याय योजना का असर दिख रहा है। तभी राजस्थान में जहां पहले भाजपा के पक्ष में एकतरफा माहौल दिख रहा था वहीं अब मुकाबला कांटे का होता जा रहा है। तभी बताया जा रहा है कि भाजपा ने कांग्रेस शासित राज्यों के चुनाव में ज्यादा ताकत लगाने का फैसला किया है।

बच्चों के लिए माता-पिता पहिली शिक्षक

एक बच्चे का,बच्चों के लिए,उनका अपना माता-पिता ही पहिली शिक्षक हैं।जिनके सानिध्य में रहकर वह बच्चा पहिली बार चलना, घूमना, बोलना,पहचनना सीखता है।यह पल उस बच्चे के लिए एक सुखद होता है।जिसको उस बच्चे का माता-पिता अनुभव प्राप्त कर सकता है।

अब प्रश्न यह उठता है की उस बच्चे की शिक्षा और उज्वल भविष्य के लिए उसके माता-पिता क्या कर सकते हैं ? तो इसका उत्तर हमें शायद इस प्रकार मिल सकता है। हर बच्चे का माता-पिता यही कहेगा की हम अपने बच्चों को के.जी.वन.के साथ शाला में भर्ती कर देंगे और उसकी शिक्षा शुरु हो जाएगी।क्या इस प्रकार से बच्चों को शला में भर्ती कर देना पर्याप्त है?क्या इस प्रकार से भर्ती करके हमने अपने जिम्मेदारियों को पुरा कर दिया? इस पर हमें चिंतन-मनन करने की आवश्यकता है।

एक पालक के रूप में ,एक बच्चे के लिए माता-पिता की जवाबदारियां बढ़ जाती है।

और यह जवाबदारियां यह होती है की उस बच्चे के लिए एक उचित और स्वस्थ्य माहौल अपने घर में कैसे निर्मित किया जाए ? बात है स्वस्थ्य माहौल की,वातावरण की।तो इसे एक माता-पिता अच्छी तरह समझ सकता है।यह वतावरण ऐसा हो की वह बच्चों के लिए अनुकूल हो।जिस वातावरण पर बच्चा सहज और सुकून महसूस कर सके।बच्चों के बचपना का ध्यान में रखते हुए उनके लिए उचित मनोरंजन के साधन,जिसमें शारीरिक विकास के लिए खेलकूद और मानसिक विकास के लिए तार्किक पजल के लिए सहायक शिक्षण व्यवस्था होनी चाहिए।ताकि वह बच्चा शारीरिक और मानसिक विकास कर सके।

अब बात आती है शाला में प्राप्त शिक्षा।जो बच्चों के लिए कितनी सार्थक है। और वह बच्चा उस शाला में प्रदान की गई शिक्षा को कितना ग्रहण कर पा रहा है ?

उस शिक्षा में बच्चा कितना रुचि ले पा रहा है ?इस बात का ध्यान समय-समय पर पालकों को जायजा लेते रहना चाहिए।

और बच्चा यदि रुचि ले रहा है तो यह अच्छी बात है।और इसके लिए बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए प्रति दिवस उनके गृहकार्य,उसके क्लास वर्क,शाला में क्या- क्या गतिविधियां हुई इन सभी के बारे में पालकों को संज्ञान मे लेते रहना चाहिए।

और इसके लिए पालकों को अपने बच्चों को जितना हो सके पर्याप्त समय देना चाहिए। उनके साथ खेलें-कुदें,उनकों नैतिक शिक्षा,धार्मिक शिक्षा,की छोटी-छोटी बाल-कहानियां सुनाते रहना चाहिए।उनको शैक्षणिक भ्रमण कराते रहना चाहिए।

इस प्रकार से यह कहा जा सकता है की एक बच्चे के लिए माता-पिता की भूमिका अहम हो सकती की।जो बच्चों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हो सकती है।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ

2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावॉट करने का लक्ष्य

अक्षय ऊर्जा को अपनाना समय की जरूरत

पूरी दुनिया में पारम्परिक ऊर्जा के मुकाबले अक्षय ऊर्जा की मांग लगातार तेजी से बढ़ रही है। दरअसल वर्तमान में पूरी दुनिया पर्यावरण संबंधी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है और पारम्परिक ऊर्जा स्रोत इस समस्या को और ज्यादा विकराल बनाने में सहभागी बन रहे हैं जबकि अक्षय ऊर्जा इन गंभीर चुनौतियों से निपटने में कारगर साबित हो सकती है। यही कारण है कि भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। विभिन्न अवसरों पर प्रधानमंत्री सौर ऊर्जा को 'श्योर, प्योर और सिक्योर' बताते हुए अक्षय ऊर्जा के महत्व को स्पष्ट रेखांकित कर चुके हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन के मामले में भारत की यह बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है कि भारत दुनियाभर में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में चौथे स्थान पर पहुंच चुका है। देश में अक्षय ऊर्जा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही वर्ष 2004 से प्रतिवर्ष 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस मनाया जाता है। प्रदूषणकारी और सीमित मात्रा में उपलब्ध पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के बजाय अक्षय ऊर्जा से ही ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए अब देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से उत्पादित होने वाली बिजली के कारण वातावरण में प्रतिवर्ष लाखों टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा। अक्षय ऊर्जा उत्पादन के मामले में यह संतोषजनक स्थिति ही है कि भारत इस मामले में दुनिया का चौथा देश है और नई-नई अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के साथ तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। कर्नाटक के पावगाड़ा में दो हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सोलर पार्क सहित देश में रीवा से भी ज्यादा सौर ऊर्जा का उत्पादन कर रहे कुछ और सोलर पार्क भी देश में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

बहरहाल, अक्षय ऊर्जा को लेकर यह जानना बहुत जरूरी है कि अक्षय ऊर्जा आखिर है क्या और इसके स्रोत कौनसे हैं? इस संबंध में 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में विस्तार से बताया गया है कि अक्षय ऊर्जा वह ऊर्जा है, जो असीमित और प्रदूषणरहित है या जिसका नवीकरण होता रहता है। ऊर्जा के ऐसे प्राकृतिक स्रोत, जिनका क्षय नहीं होता, अक्षय ऊर्जा के स्रोत कहे जाते हैं। अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों में सूर्य, जल, पवन, ज्वार-भाटा, भूताप इत्यादि प्रमुख हैं। उदाहरण के रूप में सौर ऊर्जा को ही लें। सूर्य सौर ऊर्जा का मुख्य स्रोत है, जिसकी रोशनी स्वतः ही पृथ्वी पर पहुंचती रहती है। यदि हम सूर्य की इस रोशनी को सौर ऊर्जा में परिवर्तित नहीं भी करते हैं, तब भी यह रोशनी तो पृथ्वी पर आती ही रहेगी लेकिन चूंकि सूर्य से प्राप्त होने वाली इस असीमित ऊर्जा के उपयोग से न तो यह ऊर्जा घटती है और न ही इससे पर्यावरण को किसी भी प्रकार की क्षति पहुंचती है, इसीलिए सूर्य से प्राप्त होने वाली इस ऊर्जा को अक्षय ऊर्जा कहा जाता है।

ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन से बचाव के दृष्टिगत ही आज अक्षय ऊर्जा को अपनाना समय की सबसे बड़ी मांग है। दरअसल पूरी दुनिया इस समय पृथ्वी के बढ़ते तापमान और ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं को लेकर बेहद चिंतित है, इसीलिए कोयला, गैस, पैट्रोलियम पदार्थों जैसे ऊर्जा के परम्परागत स्रोतों के बजाय अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। भारत सहित कई प्रमुख देशों में अब थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल को कम करते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जाने लगा है। दरअसल आज स्वच्छ वातावरण के लिए कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांटों के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी की पूरी दुनिया को जरूरत है और इन्हीं जरूरतों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री 'वन वर्ल्ड, वन सन, वन ग्रिड' की बात करते हुए इस ओर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता कई गुना बढ़ चुकी है। इसके अलावा करीब साढ़े तीन दशक पूर्व पवन ऊर्जा से ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की शुरू की गई पहल के बाद से देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता भी काफी बढ़ चुकी है। चीन, अमेरिका और जर्मनी के बाद भारत अब पवन ऊर्जा उत्पादन के मामले में भी चौथे स्थान पर है।

फिलहाल जिस प्रकार देश में शुद्ध, सुरक्षित और भरोसेमंद ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं, उससे लगता है कि अगले कुछ दशकों में देश की कोयला, गैस इत्यादि प्रदूषण पैदा करने वाले स्रोतों से ऊर्जा पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक भारत की अक्षय ऊर्जा स्थापित क्षमता को 500 गीगावॉट तक विस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है और 2030 तक देश के कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को 1 बिलियन टन तक कम करने, दशक के अंत तक देश की अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करने तथा वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्ति का लक्ष्य निर्धारित किया है। बहरहाल, आने वाले वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षमता को तेजी से बढ़ाने के लिए इस दिशा में काफी कार्य करना होगा क्योंकि माना जा रहा है कि डेढ़ दशक बाद भारत में सौर ऊर्जा की मांग सात गुना तक बढ़ सकती है। आज न केवल भारत बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी।

-योगेश कुमार गोयल-
नजफगढ़,नई दिल्ली

चुनाव आयोग का निष्पक्ष दिखना भी जरूरी

एक जीवंत लोकतंत्र की पहली जरूरत यह होती है कि वहां चुनाव कराने वाली संस्था निष्पक्ष रहे और निष्पक्ष दिखे भी। इसी से चुनावों की शुचिता बनी रहती है और आम लोगों का चुनाव प्रक्रिया में भरोसा बना रहता है। लोकतंत्र की सफलता इस बात में निहित है कि आम नागरिक यह यकीन करे कि सरकार उसने चुनी है। जिस दिन यह विश्वास टूटेगा उस दिन चाहे कितना भी बड़ा लोकतंत्र क्यों न हो उसकी बुनियादी हिल जाएगी। पिछले कुछ समय से भारत में चुनाव आयोग की निष्पक्षता और उसकी स्वतंत्रता को लेकर कई तरह के सवाल उठे हैं। अपने ढंग से चुनाव आयोग ने उनका जवाब दिया है और लोगों के मन में मोटे तौर पर भरोसा बनाए रखा है। परंतु मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का जो नया बिल केंद्र सरकार लेकर आई है उससे सरकार की मंशा पर संदेह पैदा होता है।

हालांकि यह सही है कि पहले भी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति केंद्र सरकार करती थी और नए बिल के कानून बन जाने के बाद भी नियुक्ति का अधिकार सरकार के हाथ में ही रहेगी। यानी वास्तविक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आने वाला है। फिर भी चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने एक अस्थायी व्यवस्था बना कर नया रास्ता दिखाया था तो सरकार का उस रास्ते से हटना संदेह को जन्म देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल दो मार्च को एक अहम फैसला सुनाया था और कहा था कि जब तक केंद्र सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का कानून नहीं बनाती है तब तक एक पैनल उनकी नियुक्ति करेगा, जिसमें प्रधानमंत्री, देश के चीफ जस्टिस और लोकसभा में नेता विपक्ष सदस्य होंगे। यह बिल्कुल उसी तरह की पैनल है, जो सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति करती है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग में नियुक्ति का यह सिस्टम इसलिए बनाया क्योंकि पिछले साल नवंबर में अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त करने के मामले में अच्छा खासा विवाद हो गया था।

आईएएस अधिकारी अरुण गोयल 30 नवंबर को रिटायर होने वाले थे। लेकिन उन्होंने 18 नवंबर को स्वैच्छिक रूप से रिटायर होने का ऐलान किया और अगले ही दिन यानी 19 नवंबर को केंद्र सरकार ने उनको चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया था। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर 2015 में दायर एक याचिका पर सुनवाई के क्रम में अदालत के सामने यह मुद्दा भी आया और तब सर्वोच्च अदालत ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए थे। अदालत ने टिप्पणी की थी कि 'बिजली की रफ्तार' से चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया गया। सर्वोच्च अदालत ने यह भी पूछा था कि सर्च कमेटी, कैबिनेट की सिफारिश आदि जिन औपचारिकताओं का हवाला केंद्र सरकार नियुक्तियों में देती है उनका पालन एक दिन के भीतर कैसे हो गया और वह सही तरीके से हुआ भी या नहीं? इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च में फैसला सुनाते हुए अरुण गोयल की नियुक्ति तो रद्द नहीं की लेकिन नियुक्ति की एक अस्थायी व्यवस्था कर दी।

अब केंद्र सरकार बिल लाकर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को पलटने जा रही है। संसद के मानसून सत्र में 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक 2023' पेश किया गया। यह कानून जिस रूप में पेश किया गया उसी रूप में पास होता है तब भी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की पुरानी व्यवस्था बदलेगी लेकिन साथ ही सुप्रीम कोर्ट की बनाई अस्थायी व्यवस्था भी बदल जाएगी। इस विधेयक के संसद से पास होकर कानून बनने के बाद तीन सदस्यों का एक पैनल चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करेगा, जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री होंगे। दूसरा सदस्य उनकी ओर से नामित एक अन्य कैबिनेट मंत्री होगा और तीसरा सदस्य लोकसभा में विपक्ष का नेता होगा। यानी दो सदस्य सरकार के होंगे और एक विपक्ष का। कहने की जरूरत नहीं है कि इस पैनल में फैसला हमेशा वही होगा, जो सरकार चाहेगी। पहले भी ऐसा ही होता था। सवाल है कि यह कानून लाने की इतना जल्दी क्या थी? अगले साल फरवरी में तीन में से एक चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय रिटायर होंगे और उनकी जगह नई नियुक्ति करनी होगी। क्या सरकार नहीं चाहती है कि उस समय नियुक्ति समिति में मौजूदा चीफ जस्टिस सदस्य रहें?

बहरहाल, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का जो पुराना सिस्टम चला आ रहा था वह भी परफेक्ट नहीं था और उसे लेकर हमेशा विवाद रहा। तभी 2012 में भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने तब की मनमोहन सिंह सरकार को चिट्ठी लिख कर अपील की थी कि पांच सदस्यों की एक कमेटी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करे और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस उस कमेटी के अध्यक्ष हों। लेकिन मनमोहन सिंह की सरकार ने उस पर ध्यान नहीं दिया और न बाद में आडवाणी की पार्टी की सरकार ने उस पर ध्यान दिया। उनके सुझाव पर आंशिक रूप से सुप्रीम कोर्ट ने ध्यान दिया और प्रधानमंत्री, चीफ जस्टिस व नेता विपक्ष की कमेटी बनाने का आदेश दिया। अब केंद्र सरकार इस कमेटी में से चीफ जस्टिस को हटा रही है और उनकी जगह एक केंद्रीय मंत्री को रख रही है। इसी से सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। आखिर सरकार को क्यों ऐसी कमेटी बनानी है, जिसमें उसका बहुमत हो? इस मामले में निष्पक्ष कमेटी क्यों नहीं बनाई जा सकती है? आखिर पैनल के सामने जो नाम लाए जाएंगे वो नाम तो भारत सरकार के अधिकारियों के ही होंगे और सरकार ही उनका पैनल बना कर समिति के सामने रखेगी, जैसे सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति में किया जाता है, फिर क्यों कमेटी में सरकार को अपना बहुमत चाहिए? क्या कभी किसी ने सुना है कि सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने अड़ंगा लगा दिया और इस वजह से वह व्यक्ति सीबीआई निदेशक नहीं बन सका, जिसे सरकार बनाना चाहती थी? ऐसा कभी नहीं हुआ है। हर बार सरकार अपनी पसंद से नाम पैनल के सामने ले जाती है और अपनी पसंद के व्यक्ति को सीबीआई निदेशक नियुक्त कराती है। फिर चुनाव आयुक्तों के मामले में ऐसी व्यवस्था क्यों काम नहीं कर सकती है? जाहिर है सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मामले को संयोगों के हवाले नहीं छोड़ना चाहती है। इसलिए चीफ जस्टिस को हटा कर एक केंद्रीय मंत्री को उसमें रखने का बिल लाया गया है। इसमें कानूनी रूप से कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि उसका बनाया पैनल अस्थायी है और तभी तक के लिए है, जब तक संसद कोई कानून नहीं बना देती है। लेकिन सरकार को कानून बनाते हुए लोकलाज का कुछ ख्याल रखना चाहिए था। उसको चीफ जस्टिस को पैनल से हटाना था तो उसकी जगह दिखावे के लिए ही सही कोई निष्पक्ष सदस्य रखा जा सकता है। मिसाल के तौर पर लोकसभा के स्पीकर को या उप राष्ट्रपति को सदस्य बनाया जा सकता है। तब भी सरकार की पसंद का व्यक्ति ही चुनाव आयुक्त बनता लेकिन तब लोगों के मन में शंका पैदा नहीं होती। अभी सरकार की मंशा को लेकर शंका पैदा हो रही है। हालांकि यह दावा कोई नहीं कर सकता है कि किसी निष्पक्ष पैनल के जरिए चुना हुआ व्यक्ति हमेशा निष्पक्ष रहेगा और सरकारी पैनल से चुना हुआ व्यक्ति निष्पक्ष नहीं रहेगा आखिर सरकार की ओर से नियुक्त चुनाव आयुक्तों के कार्यकाल में ही बेहद शक्तिशाली सरकारें चुनाव हारी हैं। फिर भी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया निष्पक्ष दिखनी चाहिए। रूस के राष्ट्रपति रहे जोसेफ स्टालिन ने एक बार कहा था कि 'चुनाव में असली मतलब उन लोगों का नहीं है, जो वोट देते हैं, बल्कि उनका है, जो वोट गिनते हैं'। तभी वोट कराने और वोट गिनने वालों का निष्पक्ष होना और निष्पक्ष दिखना स्वस्थ व जीवंत लोकतंत्र की सबसे जरूरी शर्त है।

-अजीत द्विवेदी-

कम नियमों से ही होगा विश्वास-आधारित शासन

बिल का उद्देश्य है कि कुछ अपराधों में मिलने वाली जेल की सजा को या तो पूरी तरह से खत्म कर दिया जाए या फिर जुर्माना लगाकर छोड़ दिया जाए। सरकार देश के लोगों और विभिन्न संस्थानों पर भरोसा करें, यही लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला है। पुराने नियमों का अभी भी लागू रहना विश्वास की कमी का कारण बनता है।।। नियमों के पालन के बोझ को कम करने से व्यवसाय प्रक्रिया को गति मिलती है और लोगों के जीवनयापन में सुधार होता है। इस बिल का उद्देश्य है कि भारत में चल रहे व्यापार सहजता हो सके। व्यापार करने के लिए कई नियमों का पालन करना होता है। नियमों का उल्लंघन होने पर भारी जुर्माना और जेल का प्रावधान है। बिल के अनुसार अगर ऐसा होगा तो देश में बिजनेस को कैसे प्रोत्साहन मिलेगा।

जन विश्वास विधेयक का उद्देश्य पर्यावरण, कृषि, मीडिया, उद्योग और व्यापार, प्रकाशन और अन्य डोमेन को नियंत्रित करने वाले 42 कानूनों में से लगभग 180 अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना है, जो देश में व्यापार करने में आसानी में बाधाएं पैदा करते हैं। इसका उद्देश्य व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और जनता की भलाई में सुधार करने के लिए कारावास की धाराओं को पूरी तरह से हटाने या मौद्रिक जुर्माने से बदलने का है। जन विश्वास बिल का लक्ष्य है कि, 42 कानूनों के 180 अपराधों को गैर-अपराधिक घोषित करना। यानी 180 ऐसे अपराध हैं जिन्हें अब अपराध नहीं माना जाएगा और इसलिए इसमें मिलने वाली सजा को कम कर दिया जाएगा। ये कानून पर्यावरण, कृषि, मीडिया, उद्योग, व्यापार, प्रकाशन और कई अन्य क्षेत्र के हैं जिनमें होने वाले अपराध को या तो कम किया गया है या खत्म किया है ताकी देश में व्यापार करने में आसानी हो।बिल का उद्देश्य है कि कुछ अपराधों में मिलने वाली जेल की सजा को या तो पूरी तरह से खत्म कर दिया जाए या फिर जुर्माना लगाकर छोड़ दिया जाए।

भारत %रेगुलेटरी कोलेस्ट्रॉल% से ग्रस्त है, जो व्यापार करने के रास्ते में बाधा बन रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा अधिनियमित कानून, नियम और विनियमों ने समय के साथ विचारों, संगठन, धन, उद्यमिता के सुचारू प्रवाह और उनके माध्यम से नौकरियों, धन और सकल घरेलू उत्पाद के निर्माण में बाधाएं पैदा की हैं। कुछ व्यावसायिक कानूनों में, अनुपालन रिपोर्ट को देरी से या गलत तरीके से दाखिल करना एक अपराध है, जिसकी सजा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 के तहत राजद्रोह के बराबर है। व्यावसायिक कानूनों का अपराधीकरण, भारतीय व्यावसायिक परंपराओं और लोकाचार और भारत में उद्यमिता की गरिमा का उल्लंघन करता है। भारत में व्यापार करने को नियंत्रित करने वाले 1,536 कानूनों में से आधे से अधिक में कारावास की धाराएं हैं। पांच राज्यों - गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में उनके कानूनों में 1000 से अधिक कारावास की धाराएं हैं। भारत में व्यवसायों के सामने आने वाली प्राथमिक समस्याओं में से एक नियमों की जटिलता और ओवरलैपिंग है। केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर कई नियामक संस्थाएं अक्सर व्यवसायों के लिए भ्रम और अनुपालन बोझ का कारण बनती हैं। भारत में, विनिर्माण क्षेत्र में 150 से अधिक कर्मचारियों वाला एक औसत उद्यम एक वर्ष में 500-900 अनुपालन करता है, जिसकी लागत लगभग 12-18 लाख रुपये होती है। कानून में बार-बार होने वाले बदलाव जैसे, जीएसटी कर-दरों में संशोधन, निर्यात प्रतिबंध आदि देश में व्यापार करने में आसानी को प्रभावित करते हैं।

कई अपराधों में जेल के प्रावधान को खत्म किया जाएगा। इंडियन पोस्ट ऑफिस एक्ट, 1898 के तहत आने वाले सभी अपराधों और जुर्माने को हटाया जाएगा। शिकायत निवारण व्यवस्था में बदलाव होंगे, एक या एक से अधिक अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा ताकी वे जुर्माना तय कर सकें। किसी कानून का उल्लंघन होने पर अधिकारी जांच बिठा पाएंगे, पूछताछ कर सकेंगे और सबूत के लिए समन भी जारी कर सकेंगे। अपराधों के लिए लगाए जाने वाले जुर्माने को संशोधित किया जाएगा। बिल के अनुसार जुर्माने की कम से कम राशि का 10 फीसदी हर तीन साल के बाद बढ़ाया जाएगा। यानी जुर्माने की राशि हर तीन साल में बढ़ाई जाएगी। विधेयक आपराधिक कानूनों को युक्तिसंगत बनाने में सहायता करेगा, जिससे लोग, व्यवसाय और सरकारी एजेंसियां छोटे या तकनीकी रूप से गलत उल्लंघनों के लिए जेल जाने की चिंता के बिना काम कर सकें। प्रस्तावित कानून किए गए कार्य या उल्लंघन की गंभीरता और निर्दिष्ट दंड की गंभीरता के बीच संतुलन बनाता है। न्याय प्रदान करने की प्रणाली तकनीकी और प्रक्रियात्मक त्रुटियों, छोटी गलतियों और महत्वपूर्ण अपराधों के निर्धारण में देरी के कारण बोझिल हो गई है। परिणामस्वरूप, यह कानून कानूनी व्यवस्था पर बोझ को कम करेगा और मामलों के लंबित रहने के समय को कम करेगा। लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला सरकार द्वारा अपने लोगों और संस्थानों पर भरोसा करने में निहित है। इस संदर्भ में, जन विश्वास विधेयक प्रणाली को अव्यवस्थित करने और पुराने और अप्रचलित कानूनों के बोझ को दूर करने की परिकल्पना करता है। अनुपालन बोझ कम होने से व्यापार करने में आसानी में सुधार होगा।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम पैमाने के व्यवसाय भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और ये सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इन उद्यमों को औपचारिक क्षेत्र में स्थानांतरित करने और नौकरियां और आय उत्पन्न करने के लिए, प्रभावी और कुशल व्यावसायिक नियम होने चाहिए, जो अनावश्यक लालफीताशाही को खत्म करें। विधेयक में इन मुद्दों का समाधान करने का प्रयास किया गया है। विनियामक बोझ निवेशकों के लिए पर्याप्त बाधाएँ पैदा करता है। इसके अलावा, आवश्यक अनुमोदनों के लिए लंबी प्रक्रिया लागत को बढ़ा सकती है और उद्यमशीलता की भावना को कमजोर कर सकती है। जन विश्वास विधेयक के माध्यम से प्रस्तावित संशोधनों से प्रक्रियाओं को आसान बनाने के कारण निवेश निर्णयों में तेजी आएगी और अधिक निवेश आकर्षित होगा। विधेयक अनुपालन को कम करने और छोटे अपराधों के लिए कारावास के डर को दूर करने में मदद करेगा, जिससे व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा और %विश्वास-आधारित शासन% को बढ़ावा मिलेगा।

सरकार देश के लोगों और विभिन्न संस्थानों पर भरोसा करें, यही लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला है। पुराने नियमों का अभी भी लागू रहना विश्वास की कमी का कारण बनता है।।। नियमों के पालन के बोझ को कम करने से व्यवसाय प्रक्रिया को गति मिलती है और लोगों के जीवनयापन में सुधार होता है। इस बिल का उद्देश्य है कि भारत में चल रहे व्यापार सहजता हो सके। व्यापार करने के लिए कई नियमों का पालन करना होता है। नियमों का उल्लंघन होने पर भारी जुर्माना और जेल का प्रावधान है। बिल के अनुसार अगर ऐसा होगा तो देश में बिजनेस को कैसे प्रोत्साहन मिलेगा।

-डॉ. सत्यवान सौरभ-
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,
हरियाणा

पगड़ी

पगड़ी एक अनुराग की
अद्भुत अनोखा अंदाज की
पगड़ी सिर्फ सर की ताज नहीं होती
हर एक जगह हर एक परिस्थिति में
एक अद्भुत राज होती है
इसे समझना उतना आसान नहीं
जितना हम समझते हैं
किसी समारोह में सर की ताज होती हैं
पगड़ी मर्यादा की शान होती है
जिसे मान सम्मान के लिए
प्रतिक गढ़ी जाती है
माननीय आदरणीय अतिथियों को
चढ़ी जाती है
शादी ब्याह के मंडप में
एक पिता की ईज्जत और
अरमान होती है पगड़ी
जिसे वर्षों के गाढ़ी कमाई से गढ़ी
जाती है
चंद सेकंडों में हम बिना सोंचे समझे
किसी की भी पगड़ी उछल दिया
करते हैं
एक पिता की अरमानों को पैरों तले
रौंद दिया करते हैं
कभी इसके पीछे की मेहनत देखी
नहीं जाती
किसी की खुशी और गम साधारण
आँखों से देखी नहीं जाती
जिस दिन बात समझ में आयेगी उस दिन
दूसरों की पगड़ी उछालना छोड़
खुद की पगड़ी संभालते नज़र आओगे
दूसरों की दोष ढूँढने के बजाए
खुद को बहुत ही शर्मिंदा पाओगे।।

लेमेंद्र साहू अनुराग
परसदा(मोखा)
गुंडरदेही बालोद
छत्तीसगढ

अधूरी कामनाएँ

अधूरी कामनाएँ ,
हृदय को सताती हैं ।
ना पूरी होती हैं ।
ना ख़त्म ही हो पाती हैं ।
हृदय को दग्ध करती,
भुलाएं नही जाती हैं ।
राह के अँधेरों सी,
राह से भटकाती है ।
काम आती नही,
स्वप्न सी अधूरी है ।
असम्भव कल्पनाएं हृदय की
हृदय को सताती हैं ।
न जाने कितनी जन्मती है ।
न जाने कहाँ से ये,
उर्वरता पाती हैं ।
बिन पानी खाद के ही
घास -फूस सी बढ़ती है ।
ये अधूरी कामनाएँ
न जाने क्यूं ।

गरिमा राकेश गौतम गर्विता
कोटा,
राजस्थान

यह शून्य है

कल का प्रश्न वह आज बदल गया है
आज का उत्तर कल का सवाल है
प्रश्न उत्तर के भीतर है
जिंदगी दौड़ रही है
किसी से कोई प्रश्न संतुष्ट नहीं..
कोई भी जवाब किसी को भी संतुष्ट नहीं
बस सवाल बार-बार आ रहा है...
तो क्या जीवन एक प्रश्न है?
या यों कहें!!
अगर पूछा जाए सवाल नहीं
उत्तर भी नहीं है
जो चीज़ प्रतीत होती है वह ऐसी है
मानो वह है ही नहीं
जीवन एक रहस्य है...

ओत्तेरी सेल्वा कुमार,
चेन्नई,
तमिलनाडु

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

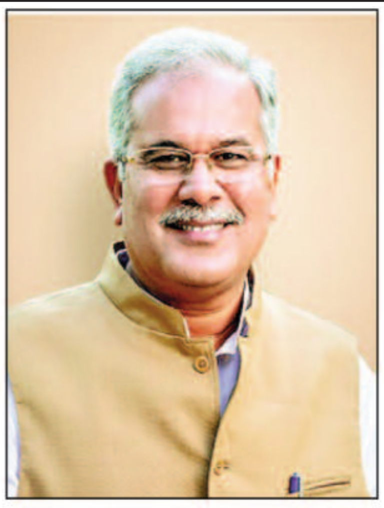

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में अम्बिकापुर विस के लिए संकल्प शिविर 22 को

उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव भी रहेंगे मौजूद,कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ने किया मुआयना

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की मौजूदगी में 22 अगस्त को नारायणी परिसर में अम्बिकापुर विधानसभा के लिए संकल्प शिविर का आयोजन होना तय हुआ है। 22 अगस्त को मुख्यमंत्री भेंट मुलाकात एवं युवा संवाद के लिए अम्बिकापुर आ रहे हैं। इसी दिन दोपहर 2 बजे से संकल्प शिविर का आयोजन होगा। संकल्प शिविर हेतु नारायणी परिसर का चयन किया गया है। शनिवार तैयारियों को अंतिम रुप देने के लिए कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने जिला प्रशासन के साथ मौके का मुआयना कर तैयारियों को अंतिम रुप दिया है। इस दौरान कलेक्टर कुंदन कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक विवेक शुक्ला सहित प्रशासन एवं पीडब्लूडी की टीम मौके पर मौजूद थे। संकल्प शिविर के दौरान अम्बिकापुर विधानसभा से करीब 3 हजार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के यहां मौजूद होने की संभावना है। बरसात के मौसम को देखते हुए नारायणी परिसर के शेड को इसके लिए उपयुक्त पाया गया है। संकल्प शिविर के दौरान बैठक व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था आदि के लिए स्थानों का चयन किया गया है। इस अनुरुप कार्यक्रम स्थल पर बैरिकेटिंग मंच व्यवस्था आदि के लिए कार्य प्रारंभ कर लिया गया है।

मंत्री शिव डहरिया के मौजूद रहने की संभावना

22 अगस्त को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रभारी मंत्री शिव डहरिया एवं राजेश तिवारी के मौजूद रहने की संभावना है। संकल्प शिविर के दौरान विधानसभा अम्बिकापुर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अगामी चनावों की तैयारियों के लिये प्रशिक्षित किया जाएगा। संकल्प शिविर की तैयारियों के सिलसिले में मो. इस्लाम, सैयद अख्तर हुसैन, दुर्गेश गुप्ता, अनूप मेहता, आशीष वर्मा, पंकज शुक्ला एवं विकास केशरी भी मौजूद थे।

रविवार को बीएलए मिटिंग

विधानसभा चुनावों में बूथ लेबल की तैयारियों को लेकर बूथ लेबल एजेंटों की महत्वपूर्ण बैठक रविवार 20 अगस्त को राजमोहनी भवन में आयोजित की गयी है। यह मिटिंग अम्बिकापुर विधानसभा के अम्बिकापुर शहरी एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस के बीएलए के लिये आयोजित की गई है। मिटिंग में इन क्षेत्रों के 600 बीएलए भाग लेंगे। जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव के नेतृत्व में होने वाले इस मिटिंग में मतदाता सूचि में संशोधन से संबंधित प्रगति के साथ ही बूथ लेबल पर मतदाताओं से जारी संपर्क की भी समीक्षा की जायेगी। जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता द्वारा रविवार होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक की तैयारियों को अंतिम रुप दे दिया गया है।

जमीन पर सोने के दौरान महिला हुई सर्पदंश के शिकार,मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

जमीन में सोने के दौरान एक महिला शुक्रवार की रात को सर्पदंश के शिकार हो गई थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार भुईरी बाई पति चौबन बिंझिया उम्र 35 वर्ष जयनगर थाना क्षेत्र के रजनपुर की रहने वाली थी। वह शुक्रवार की रात को खाना पीना खाने के बाद घर में ही जमीन में बिस्तर लगाकर सोई थी। सोने के दौरान उसे सांप ने दंश लिया। वह घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन ने उठकर देखा तो कमरे में सांप था। परिजन उसे इलाज के लिए सूरजपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बौरीपारा देशी शराब दुकान को गाड़ाघाट अंग्रेजी शराब दुकान के पास शिफ्ट कराने की मांग

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

बौरीपारा देशी शराब दुकान स्थानांतरिण कराकर गाड़ाघाट अंग्रेजी शराब दुकान के पास शिफ्ट कराने की मांग वन औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक व अन्य लोगों ने की है। इस संबंधि में कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि

देशी शराब दुकान बौरीपारा जिस स्थान में संचालित है उसी कम्पाउंड के अन्दर देशी शराब बिक्री के साथ-साथ अहाता बनाकर लोगों को

बैठाकर पिलाने की व्यवस्था मकान मालिक द्वारा की गई है। इसके एक किमी के अंदर घनी आबादी है। आए दिन लोगों को अपमानित और शर्मसार होना पड़ता है और हमेशा शराबियों द्वारा आम जनता से मारपीट की जाती है। शराद दुकान के पास ही पुलिस लाईन दुर्गा मंदिर एवं शिव मंदिर स्थित है। मंदिर जाने का रास्ता शराब दुकान के सामने से होकर गुजरता है। रास्ते से गुजरने के दौरान महिलाओं पर भी अहमद्र व्यवहार एवं टिप्पणी शराबियों द्वारा की जाती है। दार्ड वासियों का यह भी शिकायत है कि मकान मालिक जो कि शराब व्यसायिक भी है तथा जिस पर पूर्व में भी अवैध शराब बेचने के कई मामले चल चुके हैं। उसके द्वारा आबकारी अधिकारीयों से साठगाठ कर अवैध देशी एवं अंग्रेजी शराब की बिक्री उसी कम्पाउंड के अन्दर की जा रही है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि बौरीपारा पुरानी घनी बस्ती आबादी वाला क्षेत्र है और यहां रहने-वाले नगरवासियों को देशी शराब दुकान के कारण प्रति दिन परेशनियों का सामना करना पड़ रहा है। वन औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक व अन्य लोगों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 10 दिवस के अंदर देशी शराब दुकान को गाड़ाघाट अंग्रेजी शराब दुकान के पास स्थानांतरित कराने की मांग की है। नहीं किए जाने पर मजबूरन जनहीत में देशी शराब दुकान के सामने धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। इस दौरान बरूण सिंह, हनुमान सिंह, नीतू जायसवाल, लोकेश पासवान, राजू दीक्षित, अजय सिंह, रजनीश सिंह, विकल झा, दुर्गा गुप्ता, हिमांशु जायसवाल, राजन सिंह, सिद्धार्थ सिंह सहित अन्य लोग शामिल रहे।

गांजा बेचने कर रहा था ग्राहक की तलाश,पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

दो किलो गांजा के साथ मणिपुर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार मुणिपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की दर्रीपारा स्थित सुनीता सोनोग्राफी रोड में एक व्यक्ति झोला में गांजा लेकर बेचने के लिए ग्राहक खोज रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर संदेही को हिरासत में लेकर तलाशी ली तो उसके पास रखे झोले में दो किलो गांजा पाया गया। जिसकी किमत 40 हजार रुपए बताई जा रही है। जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी मो. अल्फाज हुसैन पिता जावेद उम्र 31 वर्ष निवासी आरा चौकी बरियों जिला बलरामपुर हाल मुकाम दर्रीपारा मणिपुर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणिपुर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक ललन गुप्ता, प्रआर सतीश सिंह, पिताम्बर सिंह, आरक्षक सुमित टोप्पो, मकरध्वज, अतुल शर्मा, सुरेश गुप्ता, अशोक राजवाड़े, मुकेश चौधरी शामिल रहे।

मुक्का मारकर पिकअप चालक की हत्या करने वाला गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कंपनी बाजार में दो दिन पूर्व हाथ मुक्के से मारकर पिकअप चालक को मौत के घाट उतारने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने झारखंड से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना को अंजाम देकर झारखंड फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार झारखंड के गढ़वा जिले के मेराल थाना क्षेत्र निवासी 21 वर्षीय धर्मेन्द्र गुप्ता पिता हीरा प्रसाद गुप्ता व रंका थाना क्षेत्र के हुरदाग निवासी अजीत यादव उर्फ ह्रदय यादव पिता उपेंद्र यादव उम्र 20 साल दोनों गुरुवार को सब्जी लोड करवाने अपने-अपने पिकअप लेकर अंबिकापुर कंपनी बाजार आए थे। यहां गुरुवार की शाम को ही किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आवेश में आकर अजीत हाथ-मुक्के से धर्मेंद्र गुप्ता को मारने लगा। मुक्के से गर्दन पर गंभीर चोट लगने से वह बेहोश हो गया। उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इसके बाद से आरोपी मौके से फरार हो गया। कोतवाली पुलिस ने मृतक के पिता हीरा प्रसाद के रिपोर्ट पर पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अजीत यादव को झारखंड उसके घर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राजेश सिंह, उप निरीक्षक अशोक मिश्रा, विशेष पुलिस टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान सिंह, छत्रपाल सिंह, आरक्षक सत्येंद्र दुबे, संजीव चौबे, जितेश साहू, मनीष सिंह, शिव राजवाड़े कुंदन सिंह शामिल रहे।

पूर्व निर्वाचन में कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों के लोगों से अपील

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 अगस्त 2023 (घटती घटना)

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने शनिवार को मतदान केंद्रों में आयोजित विशेष शिविरों का निरीक्षण किया। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 के अंतर्गत 19 और 20 अगस्त को विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन ने जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर बीएलओ से फॉर्म 6, 7 और 8 भरवाए जाने की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि एक भी मतदाता छूटना नहीं चाहिए। इसका ध्यान रखें। पूरी ईमानदारी से अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। उन्होंने मृत व्यक्ति के नाम हटाने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी सभी बीएलओ को दी और निर्वाचन आयोग के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन करते हुए फॉर्म 6, 7 और 8 को सावधानी पूर्वक मतदाताओं से भरवाए जाने के निर्देश दिए।

शराब के नशे में कीटनाशक सेवन कर युवक ने दी जान

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

शराब के नशे में एक युवक कीटनाशक सेवन कर लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बादल नागेश पिता राम प्रसाद उम्र 24 वर्ष लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम लम्गांव का रहने वाला था। वह 15 अगस्त की रात को शराब सेवन कर घर आया और अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर लिया। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मोत हो गई।

किसान के पैर में घुसा हल,इलाज के दौरान मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

एक किसान 11 अगस्त को खेत में हल चला रहा था। तभी एक बैल बिदुक गया। इससे हल किसान के पैर में घुस गया और गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वह घर में ही इलाज करा रहा था। शुक्रवार को ज्यादा तबियत विगड़ने पर उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मनबहाल पैकरा पिता भुइला राम उम्र 34 वर्ष राजपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह 11 अगस्त को खेत में हल चला रहा था। तभी एक बैल बिदुक गया। इससे हल किसान के पैर में घुस जाने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद वह अस्पताल में इलाज कराने के बजाए घर में ही इलाज स्वयं से ही कर रहा था। शुक्रवार को ज्यादा तबियत विगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल अंबिकापुर लाए। यहां चिकित्सकों ने जांच किया तो पता चला की जख्म के कारण उसका पैर सड़ चुका था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

एसईसीएल विश्रामपुर के रिजनल स्टोर में डकैती मामले में 2 और आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कॉपर केबल वायर का तांबे का तार 1 क्विंटल 20 किलो तथा एक कॉपर केबल वायर 7 मीटर जप्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

विगत 14 अगस्त 2023 को एसईसीएल विश्रामपुर के रिजनल स्टोर डिपो अधिकारी अवनीश ने थाना विश्रामपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 11 अगस्त को रिजनल स्टोर से कुछ लोगों के द्वारा 70 एमएम कॉपर केबल 2 बंडल व स्टोर रूम में रखे 25 एमएम कॉपर केलब 100 मीटर व 102 मीटर केबल को काटकर कुल 5 बंडल पावर/कॉपर केबल चोरी कर ले गए है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना विश्रामपुर में आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्र. 141/23 धारा 395, 457, 380, 412 भादसं., लोक संपत्ति नुकसानी निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3, 4 तथा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध करते हुए बीते दिन 6 आरोपी शंकर, दिलीप, ईश्वर चंद, जशपाल, प्रमोद, रंगलाल को पकड़ा गया, आरोपियों के

निशानदेही पर कॉपर केबल तार, 1 पिकअप वाहन, 1 स्कूटी, 1 मोटर सायकल, 1 नग देशी कट्टा, 1 तलवार, केबल काटने में प्रयुक्त औजार कुल कीमत 10 लाख रूपये का जप्त 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि पउवापारा निवासी एक व्यक्ति के कहने पर प्रमोद मण्डल व अन्य लोगों के द्वारा मिलकर एसईसीएल रिजनल स्टोर में चोरी करने की योजना बनाकर कट्टा, तलवार, रॉड व तार काटने का औजार लेकर 11 अगस्त के रात्रि में रिजनल स्टोर से पावर/कॉपर केबल चोरी किए और पिकअप गाड़ी में लोड कर सूरजपुर के संजय कबाड़ी के यहां बिक्री कर दिए। प्रकरण में कबाड़ी सहित अन्य आरोपी फरार थे।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने मामले में फरार आरोपियों की पतासाजी करते हुए जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। विश्रामपुर व सूरजपुर थाने की संयुक्त पुलिस टीम के द्वारा मुखबीर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी संजय साहू पिता रामभरोष साहू उम्र 47 वर्ष निवासी पुराना बाजारपारा, थाना सूरजपुर व देवकुमार विश्वकर्मा उर्फ करिया पिता निरंजन विश्वकर्मा उम्र 29 वर्ष निवासी पुराना बाजारपारा, थाना सूरजपुर को पकड़ा गया। जिनके निशानदेही पर डकैती किए गए कॉपर केबल वायर का तांबे का तार 1 क्वींटल 20 किलो तथा एक कॉपर केबल वायर 7 मीटर कुल कीमत 1 लाख 40 हजार रूपये का जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सूरजपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, थाना प्रभारी विश्रामपुर सी.पी.तिवारी, एएसआई शशिशेखर तिवारी, अरूण गुप्ता, सोहन सिंह, प्रधान आरक्षक इन्द्रजीत सिंह, अविनाश सिंह, विकास सिंह, शरद सिंह, मोहम्मद तालिब शेख, ईसित बेहरा, रामनिवास तिवारी, आरक्षक दीपक दुबे, ललन सिंह, अखिलेश पाण्डेय, सत्यम सिंह, युवराज यादव, रौशन सिंह, अजय सिंह, बिहारी पाण्डेय, खेलसाय राजवाड़े, विजय साहू, संजीव राजवाड़े, सुरेन्द्र सिंह, योगेश पैंकरा व महिला आरक्षक द्रोपड़ी राजवाड़े, कमला सिंह व तेरेसा तिग्गा सक्रिय रहे।

रायपुर में गरजे भगवंत मान

बेरोजगार युवाओं को देंगे काम की गारंटी

» राजधानी के मानस भवन में कार्यकर्ताओं की भारी भीड़

» 300 यूनिट फ्री बिजली समेत अरविंद केजरीवाल ने दी ये 10 गारंटी

रायपुर,19 अगस्त 2023(ए)। दिल्ली के सीएम एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को छत्तीसगढ़ की जनता के लिए 10 गारंटी दीं। केजरीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि सर कटा देंगे, मर जायेंगे, मिट जाएगे पर झूठ नही बोलेंगे।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अरविंद केजरीवाल ने 10 गारंटी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में 300 यूनिट फ्री बिजली मिलेगी और 24 घंटे तक मिलेगी। नवम्बर तक जितने भी बकाया बिजली बिल हैं, उन्हें भी माफ किया जाएगा।

रोजगार की गारंटी

- हर बेरोजगार को रोजगार मुहैया करवाया जाएगा।
- जब तक नौकरी नहीं मिलती तब तक हर बेरोजगार को ₹3000 महीना बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा।
- लगभग 10 लाख बेरोज़गारों को सरकारी नौकरी में भर्ती किए जाएंगे।
- नौकरियों में भर्ती में सिफारिश और भ्रष्टाचार खत्म कर पारदर्शिता लाई जाएगी आम जनता को नौकरी के अवसर दिए जाएंगे।

बिजली गारंटी

- दिल्ली और पंजाब की तरह छत्तीसगढ़ मे भी हर महीने हर घर को 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी।
- छत्तीसगढ़ के सभी गांव और शहरों में बिना कट लगे 24 घंटे बिजली दी जाएगी।
- छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर सारे पुराने बकाया घरेलू बिल माफ किए जाएंगे।

महिलाओं के लिए गारंटी

- 18 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए स्त्री सम्मान राशि दी जाएगी।

शिक्षा गारंटी

- छत्तीसगढ़ के हर बच्चे को अच्छी और फ्री शिक्षा दी जाएगी
- दिल्ली की तरह सभी सरकारी स्कूलों को शानदार बनाया जाएगा
- दिल्ली की तरह छत्तीसगढ़ में भी प्राइवेट स्कूलों को नाजायज फीस नहीं बढ़ने देंगे।
- सभी कच्चे शिक्षकों को पक्का किया जाएगा. शिक्षकों के सभी खाली पद भरे जाएंगे।
- शिक्षकों को शिक्षण के अलावा और कोई भी अन्य कार्य नहीं दिया जाएगा।

स्वास्थ्य गारंटी

- दिल्ली की तरह छत्तीसगढ़ के हर नागरिक के लिए मुफ्त और अच्छे इलाज का इंतजाम।
- दिल्ली की तरह सभी दवाइयां, टेस्ट और ऑपरेशन मुफ्त किए जाएंगे।
- दिल्ली की तरह हर गांव में और वार्ड में मोहल्ला क्लीनिक खोला जाएगा।
- छत्तीसगढ़ के सभी मौजूदा सरकारी अस्पतालों को शानदार बनाया जाएगा और नई सरकारी अस्पताल खोले जाएंगे।
- सभी रोड एक्सीडेंट मरीजों को पूरे छत्तीसगढ़ में मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाएगी।

तीर्थ यात्रा गारंटी

- दिल्ली की तरह दास के सभी बुजुर्गों को उनके पसंद के किसी भी पवित्र तीर्थ स्थान पर मुक्त ज़्यात्रा करवाई जाएगी।
- वहां आना-जाना रहना,खाना सब मुफ्त होगा।

भ्रष्टाचार मुक्त छत्तीसगढ़ की गारंटी

- दिल्ली की तरह छत्तीसगढ़ में भी भ्रष्टाचार को पूरी तरह खत्म किया जाएगा।
- किसी भी सरकारी दफ्तर में काम करवाने के लिए आपको वहां नहीं जाना पड़ेगा दिल्ली की तरह एक फोन नंबर जारी करेंगे आप उस फोन पर कॉल करके काम बताओ कोई सरकारी कर्मचारी आपके घर आकर काम करके जाएगा
- आपको किसी को रिश्वत देने की जरूरत नहीं होगी।

शहीद सम्मान राशि की गारंटी

- भारतीय सेना और छत्तीसगढ़ पुलिस के जवान अगर सेवा के दौरान शहीद होता है तो उनके परिवार को 1 करोड़ रूपए की सम्मान राशि दी जाएगी।

कर्मचारी वर्ग के लिये गारंटी

- सभी विभागों के संविदा, प्लेसमेंट,ठेका व अनियमित कर्मचारियों को नियमित करेंगे।
- संविदा व ठेका प्रथा बंद करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपद्री मुर्मू 31 को आएंगी राजधानी रायपुर

एक सितंबर को जाएंगी बिलासपुर

रायपुर,19 अगस्त 2023(ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 अगस्त को राजधानी रायपुर आ रही हैं, यहां स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद वे अगली दिन बिलासपुर जाएंगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से 31 अगस्त की सुबह 10 बजे रायपुर आएंगी। यहां से वे सीधे राजभवन जाएंगी और अलप विश्राम के बाद वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ट्रस्ट के शांति सरोवर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। यहां से वे गुरुघासी दास संग्रहालय का दौरा करेंगी। इस दौरान राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन भी उनके साथ रहेंगे। स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद वे राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। राष्ट्रपति के आगमन के अवसर पर उनके सम्मान में रात्रि भोज का आयोजन भी किया जाएगा। अगले दिन 1 सितंबर को द्रौपदी मुर्मू हेलीकॉप्टर से बिलासपुर रवाना हो जाएंगी। यहां से वे रतनपुर स्थित मां माहामाया मंदिर का दर्शन-पूजन करने के बाद गुरु घासी दास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद वे वापस राजधानी आएंगी और यहां से वे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगी।

विस चुनाव के 90 सीटों के लिए कांग्रेस को अब तक मिले 350 दावेदार

रायपुर,19 अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए दावेदारों ने ताल ठोंकना शुरू कर दिया है। सत्तासीन कांग्रेस पार्टी में अब तक 90 विधानसभा सीट के लिए 350 से अधिक दावेदारों ने अपना आवेदन जमा किया है। यह आंकड़ा अभी और बढ़ेगा, इस बात की पूरी संभावना बनी हुई है।

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से ब्लाक कांग्रेस कमेटी में कार्यकर्ता टिकट की दावेदारी के लिए अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। यह प्रक्रिया गुरूवार से शुरू हो गई है, टिकट की चाह रखने वाले कार्यकर्ताओं द्वारा मल्टीकलर और कलरफूल बायोडाटा जमा किया जा रहा है। सूत्रों की माने तो प्रदेशभर के 90 सीटों के लिए करीब 350 दावेदारों ने टिकट के लिए अपनी दावेदारी कर दी है। इस लिहाज से प्रत्येक विधानसभा सीट के लिए अभी तक 5 से 14 प्रत्याशी सामने आ चुके हैं। बताया जाता है कि कांग्रेस की टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बने जनप्रतिनिधियों ने फिलहाल आवेदन नहीं किया है। वहीं कांग्रेस में अब तक मिले आवेदनों में सबसे ज्यादा दावेदार रायपुर और बिलासपुर संभाग से सामने आ रहे हैं। दुर्ग संभाग में दावेदारों की संख्या कम है। जबकि बस्तर और सरगुजा संभाग में एक सीट पर दो से तीन दावेदारों ने पहले दिन आवेदन किया। आवेदन की यह प्रक्रिया 22 अगस्त तक चलेगी। इसके बाद जिला कांग्रेस कमेटी 29 अगस्त तक नाम का पैनल बनाकर इसे प्रदेश चुनाव समिति को भेजेगा।

6 सितंबर तक आ जाएगी कांग्रेस की पहली लिस्ट : कुमारी सैलजा

रायपुर,19 अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों के चयन प्रक्रिया शुरू होते ही पार्टी एक्शन मोड में आ गई है। इसी बीच प्रदेश कांग्रेस प्रभारी

कुमारी सैलजा ने बताया कि कांग्रेस की पहली लिस्ट 6 सितंबर तक आ जाएगी। वहीं कुछ देर पहले ही उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा था कि एक से पांच सदस्यों का पैनल जिला कांग्रेस को देंगे। 24 अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे। 26 अगस्त तक ब्लॉक कमेटी सभी आवेदनों को जिला कांग्रेस को देगी। जिला कांग्रेस कमेटी आंकलन करने के बाद अधिकतम तीन नामों का प्रस्ताव प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेज सकती है।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में कांग्रेस भवन में शनिवार को पार्टी के राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक हुई। इसमें विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। वेणुगोपाल ने चुनाव के लिए गठित समितियों के अध्यक्षों के साथ चर्चा की।

भारत का पहला पोषण उत्कृष्टता केंद्र एम्स रायपुर में स्थापित

राज्य भर के कुपोषित बच्चों पर रखेंगे नजर

रायपुर,19 अगस्त 2023 (ए)। एम्स ने भारत में पहली बार रायपुर के हॉस्पिटल में पोषण पर एक गहन और व्यापक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की है। ये पोषण उत्कृष्टता केंद्र राज्य के विभिन्न अस्पतालों से रेफर किए जाने वाले जटिल और गंभीर कुपोषित बच्चों के इलाज के लिए एक अत्याधुनिक कुपोषण रेफरल और उपचार केंद्र होगा। इसका मुख्य उद्देष्य राज्य के हर जिले के कुपोषित बच्चों के इलाज, निरंतर देखभाल और विषयानुसार मदद करेगा।

हर रोज होगी कुपोषित बच्चों की मॉनिटरिंग

टेली-मेंटरिंग के माध्यम से एम्स के बाल रोग विशेषज्ञ प्रतिदिन राज्य के पोषण पुनर्वास केंद्र में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के हालात को जांचेंगे। इसी तारतम्य में एक कदम आगे बढ़ते हुए, एम्स केंद्र घर पर कुपोषित बच्चों के इलाज के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए समुदाय-आधारित एसएएम (सी-एसएएम) कार्यक्रम का भी समर्थन करेगा। इसके उचित क्रियान्वयन और प्रबंधन के लिए राज्य के सभी जिलों में जिला समन्वयकों को नियुक्त किया गया है।

सहयोगी की भूमिका में रहेगा यूनिसेफ

एम्स का यह विशेष केंद्र को यूनिसेफ, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के समर्थन में संचालित होगा। इस केंद्र का उद्घाटन करते हुए एम्स निदेशक डॉ. अजय सिंह ने किशोर स्वास्थ्य पर पोषण को लेकर और ज्यादा ध्यान देने और एनीमिया और कुपोषण को रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पोषण केंद्र के शुभारंभ के अवसर पर यूनिसेफ छत्तीसगढ़ प्रमुख जॉब जकारिया ने कहा कि पोषण पर उत्कृष्टता केंद्र शिशु और छोटे बच्चों के आहार प्रथाओं, एनीमिया मुक्त भारत और अन्य पोषण हस्तक्षेपों के घटकों के साथ एक अनूठा मॉडल है। इसके साथ ही ये केंद्र, संस्थागत और समुदाय आधारित एसएएम प्रबंधन, राज्य में स्तनपान प्रथाओं को भी बढ़ावा देगा, जिससे बच्चों में कुपोषण, मृत्यु और बीमारियों में कमी आएगी। इन्हीं प्रयासों और आईवाईसीएफ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एक कौशल प्रयोगशाला के साथ एक समर्पित केंद्र स्थापित किया गया है।

इस अवसर पर विशेष रूप से डी.एस. मरावी, महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त निदेशक, डॉ शैलेन्द्र अग्रवाल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, डॉ अपर्णा देशपांडे, यूनिसेफ पोषण विशेषज्ञ एवं डॉ. महेंद्र प्रजापति, यूनिसेफ पोषण अधिकारी और एम्स में बाल रोग विभाग के प्रमुख डॉ. अनिल के गोयल सहित अन्य चिकित्सक शामिल थे।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में कुपोषित बच्चों की संख्या में कमी तो आयी है मगर इस आंकड़े को अभी और कम करने की जरुरत है। इसी के मद्देनजर राज्य सरकार के सहयोग के उद्देश्य एम्स द्वारा पोषण उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है, जो देश का पहला केंद्र होगा।

सीजी विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के टिकट का ऐलान होते ही विरोध शुरू

भाजपा पदाधिकारियों ने लिया सामूहिक इस्तीफे का फैसला

रायपुर,19 अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में भाजपा प्रत्याशियों के टिकट का ऐलान होते ही विरोध भी शुरू हो गया है। दरअसल, महासमुंद के सरायपाली विधानसभा के लिए घोषित भाजपा प्रत्याशी सरला कोसरिया का क्षेत्र में विरोध किया जा रहा है। गाड़ा समाज के भाजपा के पदाधिकारियों ने उनकी उम्मीदवारी का विरोध करते हुए महापंचायत में सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी दी है। एक बैठक में समाज के बूथ स्तर से संगठन के पदाधिकारी तक सभी ने इस्तीफा देने का फैसला लिया है।

उल्लेखनीय है कि, सरायपाली विधानसभा में गाड़ा समाज के वोटरों की संख्या 40 हजार है। बैठक में गाड़ा समाज के भाजपा के बड़े नेता मौजूद रहे। गाड़ा समाज की बैठक में

प्रतिनिधियों ने भाजपा संगठन पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। समाज ने फैसला लिया है कि समाज के जितने भी कार्यकर्ता गाड़ा समाज से हैं वह संगठन से सामूहिक इस्तीफा देंगे।

गाड़ा समाज में 40 हजार मतदाता

गाड़ा समाज के अध्यक्ष जगदीश चौहान ने कहा कि, गाड़ा समाज के करीब 40 हजार मतदाता हैं। साथ ही सरायपाली विधानसभा में भाजपा के मंडल और मोर्चा में समाज के पदाधिकारी और कार्यकर्ता हैं। इसके बावजूद भाजपा संगठन के नेतृत्व ने समाज की अपेक्षा की है, जिससे समाज के लोगों में नाराजगी है। बैठक में पूर्व विधायक रामलाल चौहान, गाड़ा समाज जिला पंचायत सदस्य श्याम तांडी, भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री पुष्प लता चौहान, पार्षद राखी गणेश, महामंत्री भाजपा मंडल सरायपाली प्रमोद कुमार, रवि चौहान समेत बड़ी संख्या में प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राहुल गांधी 2 सितंबर को आएंगे रायपुर

रायपुर,19 अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में इसी साल के आखिरी में विधानसभा चुनाव होने वाला है। सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। वहीं राष्ट्रीय नेताओं का प्रदेश दौरा भी जारी है। इसी कड़ी में अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रदेश दौरे पर आने वाले हैं।दरअसल, विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस का बड़ा कार्यक्रम होने जा रहा है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी

सैलजा ने बताया कि, राहुल गांधी 2 सितंबर को रायपुर आएंगे। वे यहां कांग्रेस के युवा मितान सम्मेलन में शामिल होंगे। कार्यक्रम में राहुल गांधी छत्तीसगढ़ के युवाओं से संवाद करेंगे। प्रदेश प्रभारी सैलजा ने बताया, 8 सितम्बर को कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भी छत्तीसगढ़ दौरा तय हुआ है।

माओवादी और धर्मांतरण गैंग के इशारों पर काम कर रही कांग्रेस : अरुण साव

भूपेश बघेल विजय बघेल के विरुद्ध ही चुनाव लड़ेंगे या पाटन के साथ एक अन्य किसी सीट पर भी किस्मत आजमाएंगे

रायपुर,19 अगस्त 2023 (ए)। भाजपा कार्यालय एकात्मक परिसर रायपुर में प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कांग्रेस के ऊपर जमकर निशाना साधा हैं। अरुण साव ने कहा कि, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे अपने वर्तमान निर्वाचन क्षेत्र पाटन में भाजपा उम्मीदवार विजय बघेल का मुकाबला करने को तैयार हैं या कि पाटन से भागने वाले हैं। जबसे भाजपा ने मुख्यमंत्री के चुनाव क्षेत्र पाटन से सांसद विजय बघेल को भाजपा का प्रत्याशी बनाया है, तबसे कांग्रेस में खलबली मच गई है, पार्टी में सन्नाटा पसर गया है।

अरुण साव ने आज भाजपा कार्यालय में कहा कि, भूपेश बघेल आदतन इधर-उधर की बात कर रहे हैं, लेकिन यह नहीं बता रहे कि उन्हें चुनाव में चित्त कर देने वाले सांसद विजय बघेल के विरुद्ध ही चुनाव लड़ेंगे या पाटन के साथ एक अन्य किसी सीट पर भी किस्मत आजमाएंगे। सुनने में आ रहा है कि कि पाटन में हार की दहशत में कांग्रेस अपने मुख्यमंत्री के लिए अन्य सीट तलाश रही है। धरसींवा की महिला विधायक की टिकट काटकर मुख्यमंत्री बघेल वहां पलायन कर सकते हैं। साव ने कहा कि भाजपा के आंगन में ताक-झाँक के मनोरोग से पीड़ित मुख्यमंत्री कांग्रेस और अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं। समूची कांग्रेस असमंजस में है। कांग्रेस के कार्यकर्ता भ्रम में हैं कि उनके मुख्यमंत्री, मंत्री और कितने विधायक अपनी सीट पर ही चुनाव लड़ेंगे या उनकी थोक में टिकट कटेगी या फिर वे क्षेत्र बदलेंगे। कांग्रेस विधायक जनता की कसौटी पर खरा नहीं उतरा है और सभी ने जनता का भरोसा तोड़ा है।

भाजपा घोषणा पत्र समिति उतरी मैदान में,वोटरों से संपर्क कर मांगेंगे सुझाव

भाजपा घोषणा पत्र समिति कर रही है संभाग स्तरीय सुझाव संकलन

-दुलारे अंसारी-

रायपुर, 19 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी चुनावों के मद्देनजर चुनावी घोषणा पत्र समिति का गठन किया गया है लोकसभा सांसद विजय बघेल को प्रदेश का प्रभार दिया गया है जिसके तहत संभाग स्तरीय गठन भी किया गया है भाजपा के पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल रायपुर संभाग के प्रभारी बनाए गए हैं श्री अग्रवाल ने आज रायपुर शहर जिला के विभिन्न वर्गो जैसे व्यापारी , अधिवक्ता , ऑटोचालक कुली संघ और मितानिनों से मुलाकात कर घोषणा पत्र हेतु सुझावों का संकलन किया सर्वप्रथम अमर अग्रवाल ने जिला अध्यक्ष जयंती पटेल एवं प्रदेश पदाधिकारियों सहित पंडरी कपड़ा मार्केट पहुंचे जहां उन्होंने स्थानीय व्यापारियों के साथ बैठक कर उनसे सुझाव एकत्रित किए व्यापारियों ने एकमत होकर कहा की व्यापारियों के हित में हमारी जो मांगे है हमने आपको लिख कर दी है यदि भाजपा व्यापारियों की मांगों को

घोषणा पत्र समिति में शामिल करती है तो हमारा खुला समर्थन भाजपा के पक्ष में रहेगा ,

उसके पश्चात भाजपा विधायक अमर अग्रवाल , सौरभ सिंह जिला एवं सत्र न्यायालय पहुंचे जहां अधिवक्ताओं के समूह से विस्तृत चर्चा की गई अधिवक्ताओं ने अपनी सारी समस्याएं और मांग लिखकर घोषणापत्र समिति को दी अमर अग्रवाल जिला न्यायालय के हर अधिवक्ता हॉल में गए एवं अधिवक्ताओं से मुलाकात की शाम 4 बजे रेल्वे स्टेशन स्थित ऑटो स्टैंड और कुली संघ के बीच पहुंचे जहां उन्होंने ऑटो चालकों एवं कुलियों से बात कर उनसे भी सुझाव लिए एवं उन सभी को आश्वस्त किया गया की भाजपा सरकार बनते ही आप सभी की मूल समस्यायों का निराकरण किया जाएगा एवं अंत में गुरुनानक चौक स्थित लायंस क्लब में मितानिनों भेंट की जहां उपस्थित मितान समूहों ने उन्हें अपनी सारी समस्याएं बताई निजीकरण जैसी तमाम व्यवस्थाओं से मितानिनों में वर्तमान सरकार खासा रोष है और वे अब अपनी समस्यायों के निराकरण हेतु भाजपा की ओर देख रही है ।

अमर अग्रवाल ने कहा की हम लगातार समाज के विभिन्न वर्गो के बीच पहुंच रहे हैं जहां प्रदेश संबंधित बहुतेरी समस्याएं हमारे पास पहुंच रही है भाजपा घोषणा पत्र समिति द्वारा उसका बारीकी से अवलोकन किया जा रहा है और हम अस्वस्थ है की इस बार भाजपा प्रदेश के हर वर्ग के हितों के अनुरूप ही अपना घोषणा पत्र बनाएगी और चुनावी समर में उतरेगी निश्चित ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने जा रही है और प्रदेश में खुशहाली और सुशासन की सरकार आने वाली है ।

भाजपा नेतृत्व दल ने सुबह पंडरी कपड़ा मार्केट में पृथ्वीपाल सिंह छाबड़ा , चंदर विधानी , सरल मोदी ,अजीत जैन , मूलचंद खत्री , सरल मोदी , प्रकाश अग्रवाल जयराम राजकुमार पप्पी , नरेश आसवानी सहित अन्य व्यापारियों से मुलाकात की जिला न्यायालय में अधिवक्ता संघ अध्यक्ष आशीष सोनी , जयप्रकाश चंद्रवंशी , बृजेश पांडेय , अंजनेश शुक्ला , ऋषिराज पिथावा सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे जहां उन्होंने भाजपा नेताओ का फूलमाला से स्वागत किया।

रायपुर स्टेशन में ऑटोचालक संघ और कुली संघ से प्रमुखों से मुलाकात की और शाम 5 बजे लायंस क्लब में मितानिनों से मुलाकात कर सुझाव लिए

विभिन्न स्थानों में आयोजित भाजपा घोषणा पत्र समिति के आयोजन में विशेष रूप से जिला वीभाजपा अध्यक्ष जयंती भाई पटेल , जिला प्रभारी विधायक सौरभ सिंह , प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता , नलीनेश ठोकने , प्रफुल्ल विश्वकर्मा , विभा अवस्थिति , मितुल कोठारी ,रमेश सिंह ठाकुर , सुभाष अग्रवाल , वंदना राठौड सिन्हा , उमेश घोरमोड़े सहित अन्य जिला एवं प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित थे।

क्या पैसे से जनाधार खरीदा जा सकता है?

क्या खुद के जन्मदिवस पर भीड़ जुटाने से विधानसभा चुनाव में टिकट पाने का दरवाजा खुलता है?

» क्या जनादेश साबित करने के लिए अपना पैसा खर्च कर अपना जन्म उत्सव मनाना सही?

» राजनीतिक दलों के नेता अपने-अपने जन्म उत्सव पर भीड़ जुटा कर साबित करना चाहते हैं अपना जनादेश,ऐसे जनादेश पर जनता को कितना भरोसा करना चाहिए?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 19 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

इस समय की राजनीति पर बात की जाए तो सवाल कई खड़े होते हैं, क्या राजनीति अब सेवा नहीं सिर्फ निर्वाचित होकर वन टाइम इन्वेस्टमेंट हो गई है? क्योंकि अभी की स्थिति में कुछ ऐसा ही दिखने लगा है, एक बार पैसा खर्च कर जनप्रतिनिधि बनो और उसके बाद फिर पैसे की कोई कमी नहीं, सेवा वाली राजनीति खत्म होते दिख रही है और यह कहा जाए कि खत्म हो गई है तो भी गलत नहीं होगा, क्योंकि इस समय राजनीति में आना सिर्फ इन्वेस्टमेंट ही माना जाता है, जनाधार दिखाना जनाधार साबित करना यह भी अब फिजूलखर्ची ही समझ में आने लगी है, अपना कितना जनादेश है इसके लिए आपको कुछ ऐसे आयोजन करने होते हैं ताकि जनादेश पता चल सके पर क्या पहले की राजनीति में भी ऐसा ही किया जाता था? इस समय कोरिया जिले की राजनीति में जन्म उत्सव मना कर अपना जनादेश दिखाना आम हो गया है, लगातार नेता अपना जनादेश दिखाने के लिए अपने जन्म उत्सव या फिर शादी की सालगिरह ऐसे कार्यक्रमों का बड़ा आयोजन करते हैं और भीड़ को व्यवहार में बदल कर जनादेश दिखाते हैं।

अभिभाजित कोरिया जिले में कुछ ऐसा ही कांग्रेस भाजपा दोनों दलों के नेता करते दिखते हैं यहां तक की विधायकों व मंत्रियों का भी जन्म उत्सव मनाया जाता है, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का तो समर्थक अपना पैसा लगाकर बड़ी धूमधाम से उनका जन्म उत्सव मनाते हैं और अपनी निष्ठा उनके प्रति साबित करते हैं, वहीं जब वह चुनाव हार जाते हैं हारने के बाद कोई उन्हें पूछने भी नहीं जाता, ऐसे कई उदाहरण जिले में मौजूद है, वही जिन्हें जनप्रतिनिधि व विधायक बनना है अपना जनादेश दिखाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, जिसमें सबसे ज्यादा अपने जन्मदिवस पर अपना खर्चा कर जनादेश दिखाना आम है और इतनी भीड़ खुद जुटाते हैं ताकि इसकी रिपोर्टिंग ऊपर तक जाए जिसका फायदा उन्हें विधानसभा या लोकसभा के टिकट मिलने में हो। वर्तमान में ही भाजपा उपाध्यक्ष व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष का भी जन्मदिन मनाया गया जगह-जगह उनका जन्मदिन मनाया गया। पर कार्यक्रम व भीड़ को देखकर यही कहा गया कि विधायक के दावेदार हैं और टिकट भी इन्हें चाहिए जिस वजह से ऊपर तक यह भीड़ दिखनी चाहिए यह प्रयास था, यह भी कहा जा रहा है कि इसमें पैसे भी खूब खर्चा हुए और खर्चा कर जनादेश बटोरा गया दिखावा किया गया।

पैसे से जनधार खरीदने का प्रयास क्यों?

लगातार यह एक परंपरा बनती जा रही है राजनीति के की और यह मान्य तथ्य भी होता जा रहा है की अब बिना खर्च किए बिना दिखावा किए बिना पूंजी लगाए कोई जनप्रतिनिधि नहीं बन सकता और यदि किसी की मंशा राजनीतिक क्षेत्र में जाने की है तो उसे सबसे पहले पूंजी लगाकर खुद का जनादेश साबित करना होता है जो चुनाव लड़ने के दौरान मतों में परिवर्तित होगा इसकी भी कोई गारंटी नहीं होती,क्या पैसा लगाकर जनादेश खरीदना या दिखाना जायज है क्या यह उचित माना जा सकता है वहीं ऐसे मामलो में यह भी कहा जा सकता है की जब पैसे लगाकर कोई राजनीति में आने का प्रयास कर रहा है तो वह जन सेवा क्षेत्र विकास की भावना मन में कितना रखता होगा यह समझा जा सकता है।

क्या जनसंपर्क से जनादेश नहीं?

जिन्हे राजनीति में आकर जनता की सेवा करनी है जिन्हे यह लगता है की वह क्षेत्र का नेतृत्व कर सकते हैं वह जन संपर्क साथ ही जन समस्याओं का संकलन एवम उसके निराकरण का भरोसा देकर क्यों नहीं राजनीति में आना चाहते यह बड़ा सवाल है, क्या आज की परिस्थितियां देखकर और नेताओं के जनाधार साबित करने आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम देखकर जो खर्चीले होते हैं यह मान लिया जाए की राजनीति अब एक व्यवसाय है और वही इसमें सफल हो सकता है जो पूंजी लगा सकता है जन संपर्क और बिना पूंजी का जनाधार अब मिलना मुश्किल है।

कई नेताओं के जनाधार दिखाने के तरीके ने खड़े किये कई सवाल

नेताओं जनप्रतिनिधि बनकर सेवा की भावना प्रदर्शित करने साथ ही ऐसी मंशा रखने वाले लोग यदि सही मायने में जनसेवा की भावना मन में रखते वह जनता के बीच ऐसे ही जाते उन्हे खुद के व्यवहार से अपनी ओर आकर्षित करते उन्हे विश्वास में लेते की वह उनके लिए एक बेहतर जनप्रतिनिधि हो सकते हैं और वह निश्चित ही जनसेवा की भावना से राजनीति में आना चाहते हैं वहीं यदि आज की या पिछले कुछ माह की जनप्रतिनिधियों की गतिविधियों साथ ही उनकी राजनीति में स्थान बनाने की मंशा और उसको लेकर किए गए आयोजनों पर नजर डाली जाए तो पाया जाएगा की कइयों ने बड़े बड़े आयोजन किए कहीं जन्मदिन मनाया गया, खुद का खुद के खर्चे से कहीं शादी की सालगिरह मनाई गई, कहीं पिकनिक हुआ कहीं भोग भंडारा भी किया गया जिससे जनता को नमक के कर्ज से लादा जा सके, कुल मिलाकर ऐसे आयोजन यह सवाल छोड़ गए की राजनीति में भाव सेवा की नहीं जनता का भाव तय करना होगा तभी राजनीति में सफलता संभव है अन्यथा नहीं।

प्रत्याशी बनने के बाद भी बिना प्रलोभन कोई नेता नहीं करता अपने लिए प्रचार,किसी को भी नहीं रहता खुद पर चुनाव जीतने का विश्वास

नेता अपना जन्मदिन मनाते हैं तब खर्च खुद का करते हैं और जो अपने दल को रिझाने और अपना जनाधार साबित करने के लिए वह करते हैं जिससे उन्हें उनके दल में किसी चुनाव में प्रत्याशी का प्रबल दावेदार माना जाए और वह प्रत्याशी बन जाएं वहीं यदि वह पार्टी को अपनी रिझा पाते हैं और उन्हे उम्मीदवार किसी चुनाव में बना भी दिया जाता है तब भी वह खर्च करके पैसा लगाकर ही चुनाव जीतने की युक्ति पर काम करते हैं उन्हे अपनी काबिलियत अपनी जनता के बीच ही की छवि का भरोसा नहीं होता और वह जनता की बोली तय करते हैं और चुनाव जीतने का प्रयास करते हैं। कहीं साड़ी बंटती है,कहीं बिछिया पायल चांदी की बंटती है कहीं साल और छतरी बंटती है मुर्गा और शराब का भी बंटवारा करने से वह पीछे नहीं हटते और तब यह सवाल उठता है की जब जनाधार वह पहले ही साबित कर किसी दल में प्रत्याशी बन चुके हैं तो फिर जन प्रलोभन की जरूरत ही क्या और क्यों इसकी आवश्यकता और तभी यह भी साबित हो जाता है की आयोजन कर जनाधार जो साबित किया जाता रहा है वह किराए का रहा है और उसे फिर मतों में परिवर्तित करने के लिए पुनः बोली लगाकर खरीदने की जरूरत पड़ती है जो होता दिखता है जब चुनाव होते हैं।

प्रभारी मंत्री को जिपं उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी ने सौंपा मांगपत्र

» हवाई पट्टी सहित सड़कों की मांग प्रमुख रूप से मांगपत्र में शामिल हैं...

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर, 19 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

कोरिया जिला पंचायत के उपाध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वेदांती तिवारी ने कोरिया जिले के प्रवास पर पहुंचे प्रभारी मंत्री मोहन मरकाम से मांगपत्र सौंपकर कई महत्वपूर्ण मांगे पूरी करने निवेदन किया है।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने प्रभारी मंत्री से जिले के हवाई पट्टी के लिए विशेष अनुरोध करते हुए उन्हें मांग पत्र के साथ अवगत कराया है की कोरिया जिले का हवाई पट्टी जो कुडेली क्षेत्र में बनना था और जिसके लिए इसी क्षेत्र को उपयुक्त माना गया था में हवाई पट्टी का काम आरंभ किन्ही कारणों से नही हो सका साथ ही वह पिछले बजट से सरकार के बाहर भी हो गया था,अब इस बार के बजट में इस महत्वपूर्ण योजना को हवाई पट्टी के निर्माण को स्थान प्रदान कराएं यह उन्होंने प्रभारी मंत्री से निवेदन करते हुए मांग पत्र सौंपा है,उन्होंने प्रभारी मंत्री को यह भी बताया कि कुडेली क्षेत्र में यदि हवाई पट्टी बनती है तो सूरजपुर जिले से निकट स्थित होने के कारण वहां के लोगों को भी हवाई पट्टी का फायदा मिल सकेगा। जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने हवाई पट्टी की मांग सहित कई कच्ची सड़कों को पक्की सड़क बनाने भी प्रभारी मंत्री को पत्र सौंपा है,जिसमे झरनापारा से ठीहाई पारा, लावना पारा पक्की सड़क 3 किमी बनाई जाए जिससे स्कूली बच्चों को आवागमन में कठिनाई न हो,कच्ची सड़क ग्राम ढोढा पारा से अमहर जिसकी दूरी भी 3 किमी है उसे भी पक्की सड़क बनाए जाने का अनुरोध वेदांती तिवारी ने किया है, ग्राम बुढार बाजारपारा से ग्राम पंचायत सरभोका गोल्हा सरई पहुंच मार्ग पर पक्की सड़क जिसकी दूरी 3 किमी है बनाए जाने से आत्मानंद सहित हाई स्कूल आने वाले बच्चों को सुविधा होगी यह भी उनके मांग में शामिल है, छिन्दया बाजार पारा से शिवपुर पहुंच मार्ग कुल दूरी 3 किमी को भी पक्की सड़क बनाने की उन्होंने मांग की है, कंचनपुर देवालय से खुटरा पारा कसरा तक चार किमी की सड़क भी बनाई जाए इसके लिए स्वीकृति प्रदान की जाए यह उन्होंने मांग की है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने बताया की प्रभारी मंत्री ने मांग पत्र को लेकर गंभीरता दिखाई और सभी मांगों को पूरा करने उन्होंने आश्वासन दिया है।

पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में चल रहे राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग में एमसीबी के मयंक ने जीता तीन गोल्ड

» मनेन्द्रगढ के वरिष्ठ पत्रकार महेन्द्र प्रताप सिंह व शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में पदस्थ शिक्षिका अंजलि सिंह के पुत्र मयंक सिंह ने क्षेत्र को किया गौरवान्वित

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़, 19 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में चल रहे राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग कंप्टीशन में एमसीबी जिले के मयंक ने गोल्ड जीता है। प्रतियोगिता में मयंक ने तीन गोल्ड मेडल जीतकर अपने जिले सहित प्रदेश का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता 8 से 13 अगस्त तक आयोजित की गई है। इसमें मयंक ने कुल 490 किलोग्राम वजन उठाकर गोल्ड अपने नाम किया। 62 किलोग्राम वजन की श्रेणी में कुल 25 प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता में तीन इवेंट आयोजित किए गए थे।

इनमें बेंच प्रेस, स्क्वाड लिफ्ट और डेडलिफ्ट के लिए पुर उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, असम, राजस्थान, मध्यप्रदेश के, छग सहित देशभर से लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। मयंक ने 62 किलोग्राम वजन की श्रेणी में कुल 490 किलो का वजन उठाया। 3 प्रयास में बेंच प्रेस में 105 किलो स्क्वाड में 160 किलो और डेड लिफ्ट में 225 किलोग्राम वजन उठाकर तीन गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। जानकारी के अनुसार 62 किलोग्राम वजन की श्रेणी में कुल 25 प्रतिभागी प्रतियोगिता में शामिल हुए थे। अन्य श्रेणियां में भी छग के प्रतिभागियों ने परचम लहराया है। नेशनल पावर लिफ्टिंग कंपटीशन में राज्य के प्रतिभागियों ने 11 गोल्ड सहित अन्य मेडल अपने नाम किए हैं। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित नेशनल पावर लिफ्टिंग कंपटीशन में अलग-अलग वेट कैटेगिरी के प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के लिए पश्चिम

490 किलोग्राम का वजन उठाकर किया रिकॉर्ड दर्ज

नेशनल पावर लिफ्टिंग कंपटीशन में मयंक ने तीन इवेंट में पार्टिसिपेट किया। इसमें लेटकर वजन उठाने वाले बेंच प्रेस नामक प्रतियोगिता में 105 किलोग्राम वजन उठक- बैठक के साथ वजन उठाने वाले स्क्वाड प्रतियोगिता में 160 किलोग्राम वजन और जमीन से लेकर घुटने से ऊपर तक वजन उठाने वाले डेडलिफ्ट प्रतियोगिता में 225 किलोग्राम का वजन उठाकर मयंक ने रिकॉर्ड दर्ज कराया है। बंगाल उड़ीसा, असम, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छग, केरल सहित देश के विभिन्न इलाकों से करीब 500 प्रतिभागी पहुंचे हैं। वहीं अब तक छग के प्रतिभागियों ने आयोजित प्रतियोगिता में 11 गोल्ड सहित अन्य मेडल अपने नाम कर लिया है।

भूख हड़ताल पर बैठा गरीब मजदूर,तीन दिन बीत गए अभी तक कोई प्रशासन नहीं आया सामने

एमसीबी, 19 अगस्त 2023 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के ग्राम पंचायत डोढकी का है जहां एक मजदूर अपनी मजदूरी के लिए भटक रहा दर बदर बताया जा रहा है की करीब 4साल पहले वह मजदूर डाक्टर विनय संकर के यहां इंडियन गैस एजेंसी में मजदूरी का कार्य कर रहा था लगभग 6 माह बीत गए जब मजदूर के द्वारा अपना मजदूरी मांगा जाता तब आज कल का हवाला देकर चुप हो जाते थे आखिर थक हारकर मजदूर ने वहा कार्य करना बंद कर दिया लगभग 4साल से वो मजदूर अपनी मजदूरी पाने के लिए डाक्टर विनय संकर क्लीनिक ऑफिस के चक्कर लगा लगा हारकर एसडीएम केल्हारी से अपनी मजदूरी दिलाने का ज्ञापन देकर दोढ़की तिराहा पर भूख हड़ताल पर बैठ गया है हालाकि अभी तक प्रशासन से कोई आला अधिकारी मजदूर तक नहीं पहुंचा है। मामले को राजनीतिक। वही ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मामले दृष्टि से देखा जा रहा डाक्टर विनय शंकर जनपद के अध्यक्ष है कांग्रेस सरकार में उनकी बहुत पकड़ है इसलिए वो लगातार मनमाने तरीके से कार्य कर रहे है उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती है।बल्कि गरीब मजदूर की आवाज दबाने की हमेशा ये कोशिश करते है। बहर हाल देखना होगा कि कैसे ग्रामीण को शासन प्रशासन क्या कार्यवाही करती है। या ये गरीब भूख हड़ताल पर बैठे बैठे दम तोड देगा।

कभी भी उसकी स्थिति हो सकती है खराब

गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी के द्वारा विश्व मूलनिवासी दिवस कार्यक्रम का आयोजन आज खोंगापानी में

- संवाददाता -
एमसीबी, 19 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी द्वारा 20 अगस्त 2023 रविवार को सुबह 11 बजे से सायं 05 बजे तक विश्वमूलनिवासी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमे मुख्य अतिथि तुलेश्वर सिंह मरकाम (राष्ट्रीय अध्यक्ष गोंगपा भारत), विशिष्टअतिथि श्याम सिंह मरकाम, राष्ट्रीय महासचिव गोंगपा भारत महासचिव एवं प्रत्याशी विधानसभा क्षेत्र भरतपुर-सोनहत विशिष्ट अतिथि डॉ.एल.एस.उदय (राष्ट्रीय महामंत्री गोंगपा भारत) अध्यक्षता संतोष चंद्राकर (राष्ट्रीय महामंत्री गोंडवाना गणतंत्र पार्टी भारत एवं प्रभारी सरगुजा संभाग) अति विशिष्ट अतिथि अशोक छाबड़ा (राष्ट्रीय महामंत्री) प्रदेश अति विशिष्ट अतिथि संजय सिंह कमरो, (प्रदेशाध्यक्ष गोंगपा छ ग) विशिष्ट अतिथि इस्ताक अहमद (प्रदेशाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा छग) अति विशिष्ट अतिथि मा, कुलदीप प्रजापति (कार्यवाहक प्रदेशाध्यक्ष गोंगपा छ ग) अति विशिष्ट अतिथि डी. एल. भास्कर, (प्रदेश महासचिव छ.ग.) अति विशिष्ट अतिथि फैयाज आलम, (कोषाध्यक्ष गोंगपा छ ग)अति विशिष्ट अतिथि, रामखिलावन तिवारी (प्रदेश महासचिव म.प्र) अति विशिष्ट अतिथि पं. सुभाष चतुर्वेदी (प्रदेश सलाहकार मध्य प्रदेश)अति विशिष्ट अतिथि दुर्गा सिंह कोर्राम, (उपाध्यक्ष गोंगपा म.प्र.),अति विशिष्ट अतिथि मा,स. परमीत सिंह लवी, (प्रदेश उपाध्यक्ष अल्प संख्यक मोर्चा गोंगापा छ.ग.) अति विशिष्ट अतिथि मा,सत्तनपाल सिंह(

समाजिक कार्यकर्ता खोंगापानी) कार्यक्रम स्थल-सांस्कृतिक भवन बंगाली पण्डाल के पास खोंगापानी, जिला- एम.सी.बी. विगत दिनों कार्यक्रम की रूप रेखा बैठक मनेंद्रगढ़ पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में की गई जिसमें मनेंद्रगढ़ जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारियों ने उपस्थिति दर्ज करवाई, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिला अध्यक्ष केवल सिंह मरकाम. किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष जगजीवन सिंह उईके. ब्लॉक महिला प्रकोष्ठ मनेन्द्रगढ सोनकुवार, जिला पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ मानसाय यादव,जिला अध्यक्ष स्टूडेंट वीर सिंह उईके, जिला मीडिया प्रभारी विजय सिंह मरकाम, किसान मोर्चा अध्यक्ष संतोष कुमार, जिला जेएसयू गोरेलाल मरकाम, ब्लॉक अध्यक्ष खंडगवा देव प्रताप कमरों, सदस्य राजेंद्र सिंह, वरिष्ठ सरक्षण झगरा खाड रामकरण पन्ना, जेकेडी प्रभारी महाबली सिंह,ब्लॉक अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ रनसाय ओरकेरा ब्लॉक अध्यक्ष मनेंद्रगढ़, बाबूलाल मरपच्ची, ब्लॉक संगठन मोहन सिंह मरकाम, मनेद्रगढ़ नगर अध्यक्ष आनंद शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष शहरी चिरमिरी शेख स्माइल, ब्लॉक कार्यवाहक चिरमिरी उत्तम सिंह, शहरी प्रभारी सुखुराम धुर्वे, प्रदेश प्रचार मंत्री शशि राज सिंह, प्रदेश महासचिव रुक्मणी, जिला आई टी सेल्ल प्रभारी महेंद्र शुक्ला की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम प्रारंभ-इमली गोलाई कलेक्ट्रेट के पास से वाहन रैली कार्यक्रम प्रारंभ होकर पीब्ल्यू डी तिराहा-खेडिया तिराहा-कालेज रोड-झगरा खंड-लेदरी-होते हुए खोंगापानी तक जायेगी।

निर्माण एजेंसी की मनमानी

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी सीसी सड़क

महज 2 माह में ही उखड़ने लगी सड़क

ग्रामीणों का आरोप घटिया सामग्री का किया गया उपयोग

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां, 19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

खड़गवां जनपद पंचायत से महज चंद किलोमीटर मीटर की दूरी एवं मुख्य मार्ग पर ग्राम पंचायत दुबछोला मेन रोड से संरपच मुहल्ला तक सी सी सडक निर्माण कार्य कराया गया है इस सी सी सड़क निर्माण कार्य में स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सी सी सड़क का निर्माण कार्य घटिया सामग्री का उपयोग कर सी सी सड़क निर्माण कार्य किया गया है इस निमार्ण कार्य में घटिया सीमेंट गुणवत्ता विहीन गिट्टी एवं जिस साइज की गिट्टी का उपयोग कर सी सी सड़क का निर्माण कार्य किया जाना था वो नहीं किया गया है इस सी सी सड़क के निर्माण कार्य के नीचली सतह पर मुरम बिछाकर रोड रोलर चला कर सी सी सडक का निर्माण कार्य करना था जो नहीं किया गया है और जिस गुणवत्ता युक्त प्लास्टिक उपयोग कर सी सी सड़क का निमार्ण बाईब्रेटर मशीन के बिना सी सी सड़क के निमार्ण कार्य किया गया था जिसके कारण ये सी सी सडक महज एक से दो माह में धराशाही हो गई जगह जगह सड़क उखड गई। इस निर्माण स्थल पर ब्राईब्रेटर मशीन सिर्फ और सिर्फ वो पीस के तौर पर रखी रहती थी अगर किसी अधिकारी दौरा या निरीक्षण हो गया तो उस मशीन को सिर्फ देखने के लिए सिर्फ चालू किया जाता है। उसका कही इस्तेमाल नहीं किया गया है सी सी सड़क निर्माण कार्य की नीचली सतह पर जिस समाग्री का उपयोग कर सतह को तैयार कर सी सी सड़क का निर्माण कार्य कराया जाना था वो नहीं किया गया है और आनन फानन में गुणवत्ता विहीन गिट्टी सीमेंट प्लास्टिक का उपयोग कर सी सी सड़क को तैयार कर दिया गया है। जब सी सी सड़क का निर्माण कार्य कराया गया था उस समय निर्माण स्थल पर किसी प्रकार का कोई सूचना पटल नहीं लगाया गया था और सी सी सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया गया था इस सी सी सड़क पर सूचना पटल नहीं होने से स्थानीय ग्रामीणों को किस योजना से एवं कितनी लागत से एवं किस मजदूरी दर पर कार्य कराया गया है किसी प्रकार की कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो रही थी निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत अपनी मनमानी से सी सी सड़क का निर्माण कार्य कराया था।

मिट्टी भरकर किया गया सड़क निर्माण

जब सी सी सडक निर्माण कार्य के पश्चात चंद दिनों में उखड़ ने लगी उसके बाद ही सूचना पटल लगाया गया है दुबछेला ग्राम पंचायत मे सी सी सडक निर्माण कार्य की स्वीकृत राशि छः लाख रूपये की लागत से सी सी सडक का निर्माण कार्य कराया गया था। सी सी सड़क का निर्माण कार्य कराया गया है वहां एक से डेढ़ फीट के गड्ढ़ा था जहां पर सिर्फ मिट्टी भरकर लाखों रुपए लागत की सड़क का निर्माण कार्य करा दिया गया है। यह लाखों रुपए की लागत की सी सी सडक महज एक से दो माह में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है।

क्या कहतें है अधिकारी

इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी विभाग से जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा कि हमारे द्वारा सी सी सडक निर्माण कार्य की राशि का भुगतान रोक दिया है जष तक सी सी सडक निर्माण कार्य सही तरीके से गुणवत्ता युक्त नहीं बन जाती राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा।

थूक पालिश कर किया गया सड़क निर्माण

जबकि इस सी सी सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण ग्रामीण यांत्रिकी विभाग खड़गवां के अनुविभागीय विभागिय अधिकारी के द्वारा निमार्ण स्थल का भी निरीक्षण करना होता है जो ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा खड़गवां कार्यालय मैं बैठकर निर्माण कार्य का निरीक्षण कर लिया गया और यह सी सी सडक जब एक माह के अंदर उखड़ने लगी तो सी सी सडक निर्माण कार्य का भुगतान रोक कर पुनः सी सी सडक निर्माण कार्य कराने का अनुविभागीय अधिकारी ने कहा और सी सी सडक निर्माण कार्य पुनः भी थूक पालिश में निर्माण कार्य करा दिया गया है जो अभी भी जगह जगह पर उखड़ा हुआ दिखाई दे रहा है अब देखना है कि अनुविभागीय अधिकारी क्या सी सी सडक निर्माण कार्य की राशि का भुगतान रोकेंगे कि राशि का भुगतान ले-देकर निपटा देंगे ?

कोरबा पासिंग वाहनों को जिले में टोल फ्री करने युवा कांग्रेस ने एनएचआई के मुख्य अधिकारी से की मांग

-संवाददाता-
कोरबा, 19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

युवा कांग्रेस जिला कोरबा इकाई द्वारा जिला महासचिव मधुसूदन दास के नेतृत्व में जिले में संचालित टोल में सीजी-12 पासिंग वाहनों के टोल को फ्री करने की मांग को लेकर एनएचआई अधिकारी को पत्र सौंपा। जिसमें जल्द से जल्द समस्या की निराकरण की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है। युवा कांग्रेस महासचिव मधुसूदन दास ने कहा कि हमारे द्वारा देखा गया है कि कोरबा जिले में पड़ने वाले टोल प्लाजा जो कि बगदेवा, कोरबी, रजकम्मा के समीप अभी प्रारम्भ हो गया है। और भी बाकी टोल प्लाजा चापा रोड में भी शुरू होने वाला है। चूंकि एनएच के आसपास घनी आबादी बसी हुई है। आसपास के निवासियों का आना जाना 24 घंटे लगा रहता है। जितनी बार पार किया जाए उतनी बार टोल वसूली किया जाता है। अगर कोई ग्रामीण दिन भर में 3 से 4 बार जटा है तो उसे उतनी बार टोल देना पड़ता है, जो कि आम जनों की जेब पर बहुत बड़ा डाका है। साथ ही साथ क्षेत्र के निवासी अधिकतर किसान है, जिनकी आवक सीमित होती है। राजनांदगांव, भिलाई और भी जिलों में लोकल गाडियों के लिए टोल माफ है। युवा कांग्रेस मांग करती है कि जिले में पडने वाले टोल प्लाज़ा में कोरबा जिले के पासिंग घरेलू वाहनों व स्थानिय निवासी का टोल को निशुल्क किया जाए, ताकि क्षेत्र के निवासियों को तकलीफ न उठाना पड़े। 1 हफ्ते के अंदर मामले को संज्ञान लेकर उचित कार्यवाही करने की मांग की गई है अन्यथा युवा कांग्रेस ने आंदोलन की चेतावनी दी है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सांसद प्रतिनिधि मंदीप शर्मा, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष बँटी प्रजापति, एनएसयूआई ज़िला संयोजक विवेक महंत(वेंडी), ब्लॉक अध्यक्ष बबलू मारवा, रूपांक सिंह राजपूत, रोहन चौहान, राहुल साव, विक्रम चौहान व अन्य उपस्थित थे।

निगम आयुक्त के सख्त निर्देश के बाद निगम का बिजली अमला जागा

-संवाददाता-
कोरबा, 19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कोरबा निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर नगर पालिक निगम कोरबा के विद्युत विभाग के अमले के द्वारा स्ट्रीट लाइट व हाई मास्ट लाइट के सुधार, मरम्मत व आवश्यकतानुसार लाइटों को बदलने , नई लाइट लगाने का कार्य निरंतर जारी है द्य इसी कड़ी में कोरबा , कोसा बाड़ी , रविशंकर नगर सहित बाकी मोगरा व दर्री जोन में स्ट्रीट लाइटों व हाई मास्ट लाइटों के सुधार मरम्मत के कार्य किए गए। निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने निगम के विद्युत विभाग के अभियंताओं को कड़े निर्देश दिए हैं कि, सड़कों पर अंधेरा ना रहे , स्थापित स्ट्रीट लाइट व हाई मास्ट लाइट जले, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करें। निगम अमले द्वारा विगत दिनों से इस पर लगातार कार्य कर लाइटों के सुधारने व बदलने का कार्य किया जा रहा है। निगम के सहायक अभियंता राकेश मसीह ने बताया कि इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 8 ईमली डुग्गू बायपास रोड, भिलाई खुर्द नंबर 1 , वार्ड क्रमांक 32 बालाजी मंदिर रोड ,वार्ड क्रमांक 31 झगहरा बस्ती , वार्ड 23 रविशंकर नगर , वार्ड क्रमांक 28 आरपी नगर, वार्ड क्रमांक 52 दर्री सहित बाकी मोगरा जोन के विभिन्न भागों में स्ट्रीट लाइट का सुधार व मरम्मत कार्य किया गया, साथ ही आवश्यकतानुसार लाइटें बदली गई द्य उन्होंने बताया कि हाई मास्ट लाइटों का सुधार व मरम्मत का कार्य भी किया गया एवं बंद पड़ी लाइटें जलाई गई।

मेडिकल कॉलेज से चोरी हुए चार माह के शिशु को पुलिस ने किया गया बरामद

-संवाददाता-
कोरबा, 19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल से एक महिला के द्वारा एक नवजात शिशु को चोरी कर लिया गया था द्य चोरी करने वाली महिला का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था जिसमें बच्चों को एक महिला द्वारा ले जाते दिखाई दे रही थी द्य जिसके बाद सूचना पर पुलिस ने खोजबीन शुरू की द्य खोजबीन के दौरान आज प्रातः चार माह का नवजात बच्चा के साथ आरोपी महिला को कोरबा जिले के कोरबी पुलिस चौकी चोटिया के समीप एक गांव से बरामद कर लिया गया। बच्चे तक पुलिस टीम पहुंचने तक महिला ने बच्चे को पानी पिला कर जिंदा रखा था। बच्चा चुराने वाली महिला के साथ बच्चे को अस्पताल ले जाया गया जहां बच्चे की प्रम्भिक जांच कर पुलिस को सौंपा गया द्य डॉक्टरों ने बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार होना बताया है। बच्चा चुराने वाली महिला का पूरा कृत्य सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया था जिसके आधार पर पुलिस काफी मशक्कत के बाद अंततः बच्चा चुराने वाली महिला तक पहुंच उसे गिरेफ्तार कर मामले की छान बीन शुरू कर दी है जल्द खुलासा होगा की महिला कौन है और बच्चे को कहां ले जा रही थी।

बालको प्रबंधन द्वारा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने जल्द शुरू किया जाएगा कार्य

-संवाददाता-
कोरबा, 19 अगस्त 2023
(घटती घटना)

बालको एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा बालको से ध्यानचंद चौक रूमगरा तक जाने वाली सडक़ के मरम्मतीकरण एवं परिवहन से आमजन को हो रही समस्याओं को दूर करने के लिए बालको प्रबंधन जल्द बेहद प्रभावी कदम उठाने जा रहा है जिसपर प्रबंधन ने अपनी ओर से प्रतिबद्धता जताई है।आवाजाही से जुड़ी समस्याओं को लेकर शिवसेना संगठन के द्वारा भारी वाहनों का परिचालन रोक दिया गया था। भारी वाहनों के परिचालन को रोकने से दोनों ही तरफ 05 से 06 किलोमीटर लंबी भारी वाहनों की कतार लग गई जिसके बाद बालको प्रबंधन आंदोलन स्थल पर उपस्थित हुए। बालकों की ओर से अवतार सिंह एवं भरत दास महंत थे वहीं संगठन की ओर से रवि मैजरवार प्रदेश उपाध्यक्ष, रामकुमार साहू जिला अध्यक्ष रमेश श्रीवास संभागीय संगठन सचिव, शेर बहादुर बालको जोन अध्यक्ष, राधे विश्वकर्मा दर्री जोन अध्यक्ष, दुर्गेश अहिरवार बालको जोन उपाध्यक्ष, प्रशांत निमजा वार्ड अध्यक्ष, दया सिंह ई रिक्शा सेना जिला उपाध्यक्ष, तारन प्रकाश प्रवक्ता उपस्थित थे। संगठन द्वारा मांगों के लिखित आश्वासन के बाद चक्का जाम समाप्त कर दिया गया। बालको प्रबंधन ने कहा है कि सडक़ पर जितने भी छोटे-बड़े गड्ढे हैं उन्हें दो रोज के भीतर पाट कर सडक़ को परिवहन योग्य बनाएंगे। 7 से 8 सितंबर तक कंक्रीट युक्त सडक़ के निर्माण की प्रक्रिया आरंभ कर दी जाएगी जो की राखड़ डैम से आरंभ होगी। भारी वाहन चालकों के असुरक्षित वाहन परिचालन पर नकेल कसने के लिए राखड डैम से मेजर ध्यानचंद चौक तक तीन स्थानों पर सिक्योरिटी गार्ड लगाए जाएंगे साथ ही भारी वाहनों कि वर्तमान में जो संख्या है उसे आने वाले दो से तीन महीनों के अंदर आधी करने की व्यवस्था की जाएगी एवं वर्तमान में कोल अनलोडिंग की जो प्रक्रिया है उसमें विस्तार कर अनलोडिंग की प्रक्रिया को और तेज गति से करने की व्यवस्था किया जाएगा। इस दौरान बालको प्रबंधन के अधिकारी एवं क्षेत्रवाशी के साथ जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

बालको द्वारा फूटबॉल चैंपियनशिप में प्रत्येक गोल पर 10 पौधे लगाने का संकल्प

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपनी बहुप्रतीक्षित फुटबॉल चैंपियनशिप का समापन किया। कंपनी ने चैंपियनशिप के दौरान किए गए प्रत्येक गोल पर 10 पेड़ लगाने का वादा किया है। पूरे टूर्नामेंट में कुल 75 गोल करने के साथ बालको अब अपने प्रचालन के आसपास 750 पेड़ लगाने के लिए तैयार है जो हरित दुनिया बनाने के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बालको के फुटबॉल टूर्नामेंट में 1500 से अधिक बालको कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदारों की भागीदारी की। 25 दिनों के दौरान 32 टीमों ने चैंपियनशिप प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया और मैदान पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के बीच टीम वर्क को प्रोत्साहित करने का अवसर मिला जिससे कार्यस्थल की उत्पादकता में बढ़ोत्तरी होगी। इस आयोजन ने प्रतिभागियों को फुटबॉल खेलने का मंच भी प्रदान किया जो लोकप्रिय खेल है। बालको के मुख्य कार्यकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको में हम मैदान के अंदर और बाहर टीम वर्क की शक्ति में विश्वास करते हैं। हमारी फुटबॉल चैंपियनशिप एकता और सौहार्द की भावना का प्रमाण है जो हमारे संगठन और इसकी टीमों को परिभाषित करती है। दागे गए गोल तथा जीते गए मैचों से परे यह चैंपियनशिप समुदाय और पर्यावरण की मजबूत भावना को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। यह अनूठी पहल पर्यावरणीय प्रबंधन के प्रति हमारे समर्पण और सभी के लिए एक हरा-भरा, स्वस्थ भविष्य बनाने के हमारे संकल्प को दर्शाती है। अपनी स्थायी उत्पादन संस्कृति और सामुदायिक विकास के माध्यम से हमारा लक्ष्य आसपास की दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव डालना जारी रखना है।

बालको ने वित्त वर्ष 2023 में लगाए 1.23 लाख पौधे

'ज़ीरो हार्म, ज़ीरो वेस्ट और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण' के दृष्टिकोण का पालन करते हुए बालको लगातार सस्टेनेबल उत्पादन मॉडल को अपनाया है जो आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक आयामों को अपने प्रचालन में शामिल किया है। पर्यावरणीय प्रयासों के तहत बालको ने वित्त वर्ष 2023 में लगभग 1.23 लाख पौधे लगाए जो स्थानीय पर्यावरण पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति बालको की प्रतिबद्धता हो प्रदर्शित करता है। वनीकरण प्रयासों के अलावा बालको सक्रिय रूप से अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने तथा उद्योग के भीतर पर्यावरणीय चेतना के स्थिति को मजबूत करने के लिए हरित रास्ते तलाश रहा है।

खेलों के माध्यम से हो रहा समग्र विकास

बालको के फुटबॉल चैम्पियनशिप खेल के माध्यम से कर्मचारी एकजुटता को बढ़ावा देने के नवीनतम प्रयास है। पहले भी कंपनी ने बालको प्रीमियर लीग (क्रिकेट) तथा बालको वॉलीबॉल टूर्नामेंट जैसे कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। सभी चैम्पियनशिप बालको स्टेडियम में आयोजित किए गए थे। यह अत्याधुनिक बहु-खेल सुविधा और एथलेटिक्स का केंद्र बन गई है जो बास्केटबॉल, फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, कबड्डी और अन्य सहित कई प्रकार के खेलों की सुविधा प्रदान करती है। स्टेडियम से बालको के कर्मचारियों एवं व्यावसायिक साझेदारों के साथ-साथ ही स्थानीय समुदाय के लोग भी लाभान्वित हो रहे है और खेलों के माध्यम से उनका समग्र विकास हो रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

क्र.–कॉम/बीएसपी/ई–ऑक्शन/एमआईएक्स/फरवरी–23/1

आय निविदा के अनुबंध के लिये ई–नीलामी आमंत्रित की गई है। केटेलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in). पर प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार है –

Catalogue No.	Category	Auction Start	Lot No.	Lot Description	Contract Period
BSP-TWP1	विविध–स्टेटिक–सर्विसेज	26.08.23 15.00	MSS-BSP-BSP-TWnOPS-5-23-2 MSS-BSP-SDL-TWnOPS-4-22-1	पार्सल कार्यालय में दोपहिया वाहन एवं अन्य पार्सल पैकिंग सेवाओं की सुविधा हेतु आबंटन	3 वर्ष
BSP-VW-UA3	(विज्ञापन)	26.08.23 15.00	ADVT-BSP-ABKP-142-23-1	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंबिकापुर रेलवे स्टेशन पर वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से विज्ञापन अधिकार	5 वर्ष
BSP-IM-MISC.2	(विज्ञापन)	26.08.23 15.00	ADVT-BSP-KTMA-OSN-140-23-1 ADVT-BSP-BJRI-OSN-141-23-1 ADVT-BSP-GAD-OSN-146-23-2 ADVT-BSP-KDTR-OSN-147-23-1 ADVT-BSP-ABKP-OSN-134-23-2	विभिन्न प्लेटफार्मो पर निर्धारित स्थानों पर साधारण साइन बोर्ड ग्लो साइन बोर्ड और पिलर कियोस्क के रूप में वाणिज्यिक विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिये लाइसेंस।	5 वर्ष

सीपीआर/10/195

सहायक वाणिज्य प्रबंधक
द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

RO.No.BSP-203/23-24

भारत की निगाहें श्रृंखला जीतने पर

क्रीज पर अधिक समय बिताना चाहेंगे बल्लेबाज

डबलिन,19 अगस्त 2023। कप्तान जसप्रीत बुमराह की शानदार वापसी से उत्साहित भारतीय टीम रविवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी।

भारत इसके साथ ही बेहतर मौसम की भी उम्मीद करेगा जिससे उसके युवा बल्लेबाजों अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा।

बुमराह की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण ने श्रृंखला के पहले मैच में आयरलैंड को सात विकेट पर 139 रन ही बनाने दिए। लेकिन भारतीय पारी में बारिश के कारण उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों को खेलने का मौका नहीं मिला।

भारतीय टीम ने जब 6.5 ओवर में दो विकेट पर 47 रन बनाए थे कभी बारिश आ गई जिसके कारण आगे का खेल नहीं हो पाया। भारत ने यह मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से दो रन से जीता।

भविष्य के भारतीय बल्लेबाजों की सूची में शामिल शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाज उम्मीद कर रहे होंगे कि उन्हें क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने का मौका मिलेगा।

पहले मैच में अच्छी शुरुआत के बाद आउट होने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बड़ी पारी खेलने का प्रयास करेंगे जबकि पहली गेंद पर आउट होने वाले तिलक वर्मा भी वेस्टइंडीज दौरे की अपनी फॉर्म बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

भारत के शीर्ष क्रम में अधिकतर वही खिलाड़ी हैं जिन्होंने हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में खेल रही भारतीय टीम की बल्लेबाजी में विकेटकीपर संजू सैमसन ही कुछ अनुभवी हैं।

चोटों के कारण परेशान रहे ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने का अनुभव रखते हैं और बुमराह बल्लेबाजी में उनकी सेवाएं भी ले सकते हैं।

बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा ने चोटों से उबरने के बाद शानदार वापसी की। इन दोनों तेज गेंदबाजों ने पहले मैच में दो-दो विकेट लिए। कृष्णा का यह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला मैच भी था।

यहां जिस तरह की परिस्थितियां हैं उसमें टॉस की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत इस मामले में पहले मैच में भाग्यशाली रहा। मैच में दो विकेट लेने वाले लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने बाद में स्वीकार किया कि भारत को टॉस जीतने का फायदा मिला।

जहां तक आयरलैंड का सवाल है तो उसकी टीम बुमराह से पहले ओवर में मिले दो झटकों से वापसी करने में सफल रही थी। उसकी टीम को अगर सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद मजबूत भारतीय टीम को चुनौती देनी है तो उसे खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

आयरलैंड को यदि भारत के सामने चुनौती पेश करनी है तो उसके अनुभवी खिलाड़ियों पॉल स्टर्लिंग, एंड्रयू बालबर्नी, जोशुआ लिटिल, क्रेग यंग और जॉर्ज डॉकरेल को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैंः-

भारतः जसप्रीत बुमराह (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज़ अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, आवेश खान।

आयरलैंडः एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, रॉस अडायर, मार्क अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हैंड, जोश लिटिल, बैरी मैक्कार्थी, बेन व्हाइट, क्रेग यंग, थियो वैन वेर्कोम।

मैच शुरूः भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से।

सब जूनियर पुरुष हॉकी शिविर के लिए 40 सदस्यीय कोर ग्रूप घोषित

नयी दिल्ली ,19 अगस्त 2023। देश के युवा खिलाड़ियों को निखारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हॉकी इंडिया ने सब जूनियर पुरुष हॉकी शिविर के लिए शनिवार को 40 सदस्यीय कोर ग्रूप की घोषणा की।

यह शिविर 21 अगस्त से राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में पूर्व भारतीय कप्तान सरदार सिंह की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार खिलाड़ियों का चयन हाल में समाप्त हुई सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

इस शिविर के बाद भारतीय जूनियर टीम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए यूरोप का दौरा करेगी।

शिविर के लिए जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उनमें गोलकीपर राहुल भारद्वाज, आतिफ खान और अभिमन्यु गौड़ा तथा रक्षा पंक्ति में सुखमनप्रीत सिंह, मिथलेश सिंह, नितिन, सोहिल अली, समी रिजवान, प्रदीप मंडल, रोहित कुल्लू, विशाल पांडे, आशु मौर्य और उज्जवल पाल शामिल हैं।

मध्यपंक्ति में नीरज, रोहित टिर्की, घूरन लोहरा, रोहित प्रधान, सुरेश शर्मा, प्रभजोत सिंह, मनमीत सिंह राय, अरुण जे, राहुल राजभर, राहुल यादव, अफरीदी और बिजय साव शामिल हैं।

अग्रिम पंक्ति के लिए गुरप्रीत सिंह, सृजन यादव, हैप्पी, सुनील, रितेंद्र प्रताप सिंह, आशिर आदिल खान, देवनाथ नानवार, दीपक प्रधान, योजिन मिंज, हर्षदीप सिंह, केतन कुशवाह, रोहित इरेंगबाम सिंह, अजीत यादव, सुंदरजीत एम, और मोहम्मद जैद का कोर ग्रुप में चयन किया गया है।

टिम पेन ने वनडे से संन्यास वापस लेने के लिए स्टोक्स की आलोचना की

सिडनी ,19 अगस्त 2023। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन ने विश्व कप में खेलने के लिए वनडे से संन्यास वापस लेने पर इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स की आलोचना की और कहा कि वह इस तरह से प्रतियोगिताओं का चयन नहीं कर सकता।

बत्तीस वर्षीय स्टोक्स ने पिछले साल जुलाई में वनडे से संन्यास ले लिया था लेकिन उन्होंने हाल में इसे वापस ले लिया और उन्हें इंग्लैंड की वनडे टीम में भी चुन लिया गया। इंग्लैंड जहां 5 अक्टूबर से भारत में होने वाले विश्व कप से पहले इस ऑलराउंडर की वापसी से उत्साहित है वहीं पेन ने उन्हें स्वार्थी करार दिया।

पेन ने सेन रेडियो पर कहा,बेन स्टोक्स ने वनडे से संन्यास वापस ले लिया है। मुझे यह काफी

दिलचस्प लगा। यह कुछ हद तक मैं, मैं और केवल मैं जैसा है। क्या ऐसा नहीं है। यह इस तरह से है कि मैं यह चयन करूंगा कि मैं कहां खेलना चाहता हूं और कब खेलना चाहता हूं और मैं केवल बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलना चाहता हूं।

न्होंने कहा, इंग्लैंड के जो क्रिकेटर पिछले 12 महीने से विश्वकप की तैयारियां कर रहे हैं उनमें से किसी को स्टोक्स की वापसी के कारण बाहर बैठना पड़ेगा। मुझे उन खिलाड़ियों के प्रति खेद है।

पेन ने हालांकि कहा कि गत चैंपियन इंग्लैंड वनडे विश्व कप में मेजबान भारत के साथ खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। उन्होंने कहा, संभवतः इंग्लैंड और भारत प्रबल दावेदार हैं। मेरा मानना है कि अगर ऑस्ट्रेलिया भी अच्छी क्रिकेट खेलता है तो वह भी विश्वकप जीत सकता है।

महिका गौर इंग्लैंड टीम में अनूठी सूची में शामिल होने के लिए तैयार

नयी दिल्ली ,19 अगस्त 2023। घटनाओं के एक दिलचस्प मोड़ में, श्रीलंका के खिलाफ आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की हालिया टीम की घोषणा ने एक आश्चर्यजनक मोड़ ले लिया है। चयनित खिलाड़ियों की सूची में एक ताज़ा और गतिशील नाम उभरा है - 17 वर्षीय बाएं हाथ की तेज गेंदबाज माहिका गौर। एक अद्वितीय पृष्ठभूमि से आने वाले गौर की इंग्लैंड की क्रिकेट टीम तक की यात्रा सामान्य से कहीं अधिक रही है। पहले अंतरराष्ट्रीय मंच पर संयुक्त अरब अमीरात के लिए खेलने एक दिलचस्प मोड़के बाद, महिका गौर की अब इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने की योग्यता उन्हें क्रिकेट की दुनिया में असाधारण बनाती है। इंग्लैंड के लिए अभी तक पदार्पण नहीं करने के बावजूद, युवा प्रतिभाशाली महिला क्रिकेटरों के एक विशेष समूह में शामिल होने की कगार पर है, जिन्होंने गर्व से दो अलग-अलग देशों की जर्सी पहनी है। इस असाधारण सूची में कई उल्लेखनीय खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक की अपनी कहानी है। निकोला पायने, रोवन मिलबर्न, बर्नाडाइन बेजुइडेनहाउट, किम गार्थ, चमानी सेनेविरत्ना, दीपिका रसांगिका, कैंडेसी एटकिंस और महेविश खान उन एथलीटों की विशिष्ट सूची बनाते हैं जिन्होंने विभिन्न देशों में क्रिकेट में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। माहिका गौर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से परिचय यूएई टीम के साथ उनके कार्यकाल के दौरान हुआ। उन्होंने 19 मटी20द्ध में अपने कौशल का प्रदर्शन किया और 5.15 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट के साथ नौ विकेट हासिल किए।

वर्तमान में, गौर द विमेन हंड्रेड में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का प्रतिनिधित्व कर रही हैं और एक भव्य मंच पर अपनी प्रतिभा को और निखार रही हैं। इंग्लैंड के मुख्य कोच जॉन लुईस ने गौर की अनूठी विशेषताओं के बारे में बात की जो वह टीम में लाती हैं। उनकी ऊंची ऊंचाई के साथ उनकी बाएं हाथ की स्विंग गेंदबाजी शैली एक ऐसा पहलू प्रस्तुत करती है जो महिला क्रिकेट में शायद ही कभी देखा जाता है। उन्होंने चल रहे ग्रीष्मकालीन मैचों के दौरान महिका की क्षमता और लगातार प्रदर्शन के बारे में बेहद उत्साह व्यक्त किया। ऐसा अनुमान है कि श्रीलंका के खिलाफ आगामी श्रृंखला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने का उनका मंच होगी और लुईस और पूरी क्रिकेट बिरादरी इंग्लैंड की जर्सी में उनके पहले प्रदर्शन को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही है।

महिका (गौर) एक बहुत ही रोमांचक प्रतिभा है। छह फुट से अधिक लंबी बाएं हाथ की स्विंग गेंदबाज महिला क्रिकेट में अद्वितीय हैं। माहिका ने इस गर्मी में लगातार दिखाया है कि वह नई गेंद से खतरा हैं और हम यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि कैसे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करती है, लुईस ने कहा। महिका गौर की यूएई से इंग्लैंड तक की यात्रा क्रिकेट की दुनिया में एक दिलचस्प परत जोड़ती है। उनका शामिल होना न केवल टीम में विविधता लाता है बल्कि खेल की वैश्विक प्रकृति को भी उजागर करता है। जैसा कि क्रिकेट जगत सांस रोककर देख रहा है, सभी की निगाहें बाएं हाथ की इस युवा सनसनी पर टिकी हुई हैं, जो इतिहास रचने और क्रिकेट के मैदान पर कई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले उल्लेखनीय लोगों में अपना नाम दर्ज कराने के लिए तैयार है।

शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वियातेक और कार्लोस अल्कराज सेमीफाइनल में

मेसन ,19 अगस्त 2023। महिला वर्ग में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक और पुरुष वर्ग में नंबर एक कार्लोस अल्कराज ने संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करके वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच को हालांकि अंतिम चार में जगह बनाने के लिए किसी तरह की मशक्कत नहीं करनी पड़ी। उन्होंने अमेरिका के नौवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को 6-0, 6-4 से हराया। सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना 2021 के चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त अल्काराज़ ने ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर मैक्स परसेल की उलटफेर की कोशिश को नाकाम करते हुए 4-6, 6-3, 6-4 से जीतदर्ज की। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला हुबर्ट हर्काज से होगा। अल्कराज ने पिछले सप्ताह टोरंटो में हर्काज को हराया था। स्वियातेक ने खराब शुरुआत और चेयर अंपायर के साथ विवाद से उबरते हुए विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंड्रोसोवा को 7-6, 6-1 से हराया।

सेमीफाइनल में स्वियातेक का सामना अमेरिका की सातवीं वरीयता प्राप्त कोको गॉफ से होगा। गॉफ ने जैस्मीन पाओलिनी को 6-3, 6-2 से पराजित किया। महिला वर्ग में दूसरा सेमीफाइनल आर्यना सबालेंका और करोलिना मुचोवाके बीच खेला जाएगा। दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका ने पांचवीं वरीय ओन्स जाबेउर को 7-5, 6-3 से हराकर लगातार दूसरे साल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मुचोवा ने मैरी बुजुकोवा के जांघ की चोट के कारण हटने से सेमीफाइनल में जगह बनाई।

भारत की पुरुष दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की नजर आईबीएसए विश्व खेलों में पाकिस्तान के खिलाफ विजयी शुरुआत करने पर है

बर्मिंघम ,19 अगस्त 2023। रविवार को एक दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है क्योंकि पुराने प्रतिद्वंद्वी भारत (पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट टीम) और पाकिस्तान (पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट टीम) इंटरनेशनल ब्लाइंड स्पोर्ट्स फेडरेशन के अपने शुरुआती मैच में आमने-सामने होंगे। आईबीएसए) विश्व खेल 2023 बर्मिंघम में। ब्लाइंड क्रिकेट को पहली बार विश्व खेलों में शामिल किया गया है और भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और बांग्लादेश नॉकआउट चरण शुरू होने से पहले 20 ओवर के प्रारूप में एक-दूसरे का सामना करेंगे।

भारत की पुरुष नेत्रहीन क्रिकेट टीम सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने से पहले रविवार को अपने शुरुआती मैच में पाकिस्तान से भिड़ेगी। अजय कुमार रेड्डी इलूरी (बी2 श्रेणी) के नेतृत्व में भारत की पुरुष टीम पाकिस्तान पर शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेगी। पुरुष टीम ने पिछले दशक में बड़े मंचों पर पाकिस्तान के खिलाफ प्रभावी कौशल दिखाया है। 2012 टी20

विश्व कप में, भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती, जबकि 2017 टी20 विश्व कप में, भारत ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया और टूर्नामेंट जीतने के लिए पाकिस्तान को 9 विकेट से हराया।

पिछले दो वनडे विश्व कप (2014 और 2018 में) में भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता है। जैसे ही भारत बर्मिंघम में आईबीएसए विश्व खेल 2023 में एक हाई-वोल्टेज मुकाबले में पाकिस्तान का सामना करने के लिए फिर से तैयार हो रहा है, सभी की निगाहें मेन इन ब्लू पर होंगी। गुरुवार को बर्मिंघम पहुंची भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम भी रविवार को अपना पहला मैच खेलेगी। सोमवार को इंग्लैंड से मिलने से पहले वीमेन इन ब्लू अपने शुरुआती मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

क्रिकेट एसोसिएशन फॉर क्रिकेट एसोसिएशन ने कहा, ÷यह हमारी लड़कियों के लिए सामान्य रूप से वैश्विक खेल प्रतियोगिता और विशेष रूप से क्रिकेट में हमारे लड़कों के साथ भाग लेने का एक बड़ा क्षण है। यह प्रतिष्ठित आयोजन निश्चित रूप से उनके दृष्टिकोण को बदल देगा और उन्हें विश्व स्तर पर होने वाली घटनाओं के साथ जोड़ देगा।÷ द ब्लाइंड इन इंडिया (ष्टक्चद्ब) के अध्यक्ष महंतेश जी किवदासनवर ने एक बयान में कहा। पुरुषों का सेमीफाइनल 25 अगस्त को निर्धारित है। जबकि आईबीएसए वर्ल्ड गेम्स 2023 में पुरुष और महिला दोनों का फाइनल 26 अगस्त को एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

विराट कोहली को संन्यास ले लेना चाहिए

नयी दिल्ली ,19 अगस्त 2023। भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ी ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। भारतीय दिग्गज ने हाल ही में शीर्ष स्तर के क्रिकेट में अपनी 15वीं वर्षगांठ मनाई। कोहली ने भारतीय टीम को कुछ प्रसिद्ध जीतें दिलाई हैं और टीम के अंदर एक मजबूत संस्कृति का निर्माण किया है। हालाँकि, वर्तमान को देखें तो कोहली और उनके फॉर्म पर लोगों की अलग-अलग राय है। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कोहली को एक आश्चर्यजनक सलाह साझा की। हाल ही में एक साक्षात्कार में, रावलपिंडी एक्सप्रेस ने कहा कि कोहली को वनडे विश्व कप 2023 के बाद वनडे और टी20ई क्रिकेट से संन्यास ले लेना चाहिए और टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहिए।

सौरव गांगुली की प्रतिक्रिया

इस बीच, पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। गांगुली ने कोलकाता में एक कार्यक्रम में भाग लिया और उनसे अख्तर द्वारा साझा किए गए सुझाव के बारे में पूछा गया। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने जवाब दिया, ÷क्यों? विराट कोहली जो भी क्रिकेट खेलना चाहते हैं उन्हें खेलना चाहिए। क्योंकि वह प्रदर्शन करते हैं। कोहली उन वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ियों में से हैं जो भारत की टी20ई प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले रहे हैं क्योंकि 2023 एकदिवसीय विश्व कप वर्ष है। रोहित शर्मा और केएल राहुल की तरह, कोहली ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में 20 ओवर का खेल खेला था। कोहली टूर्नामेंट में अग्रणी रन-स्कोरर थे, जिन्होंने केवल छह पारियों में 296 रन बनाए थे।

सीमा हैदर पर बन रही फिल्म कराची टू नोएडा का पहला पोस्टर जारी

पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर खूब चर्चा में रहीं। उन्हें ऑनलाइन गेम पबजी खेलते हुए भारत के सचिन मीणा से प्यार हो गया। सीमा सरहद के पार थीं, लेकिन अपने प्यार के लिए वो पति को छोड़कर नेपाल के रास्ते होते हुए ग्रेटर नोएडा आ गई। उनके साथ चार बच्चे भी आए। सीमा की लव स्टोरी के बारे में जैसे ही सबको पता चला, हंगामा मच गया। हर तरफ सीमा और सचिन छाए रहे। अब इन पर फिल्म बनने जा रही है, जिसका नाम है- कराची टू नोएडा। अब इसका पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया और दो दिन बाद 20 अगस्त को गाना भी रिलीज होगा।

सीमा हैदर और सचिन मीणा की लव स्टोरी पर अमित जानी की कंपनी जानी फायरफॉक्स फिल्म्स मूवी बना रही है। डायरेक्शन भरत सिंह का है। प्रोड्यूसर अमित जानी हैं और उन्होंने ही लिरिक्स भी लिखे हैं। सिंगर प्रीति सरोज हैं। सीमा का किरदार एक्ट्रेस फरहीन फलक ने निभाया है।मेकर्स ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि फिल्म का थीम सॉन्ग 20 अगस्त को रिलीज होगा, जिसका टाइटल - चल पड़े हैं हम है। पोस्टर की बात करें तो इसमें बुर्का और साड़ी में एक्ट्रेस नजर आ रही और तीसरे में चेहरा मुरझाया हुआ है।

सीमा और सचिन की लव स्टोरी पबजी गेम से शुरू हुई थी। सचिन पबजी गेम खेलता था और सीमा भी। गेम खेलते हुए ही दोनों संपर्क में आए। फिर बातचीत शुरू हुई। दोनों घंटों तक बात करने लगे, जबकि सीमा शादीशुदा थीं और और उनके चार बच्चे भी थे। फिर सीमा नेपाल के रास्ते से होते हुए इंडिया आ गई।

प्रज्ञा ने वनपीस में ढाया कहर

साउथ एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी खूबसूरती से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी ग्लैमरस अदाएं देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ना सिर्फ साउथ में बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेर चुकी हैं। उनकी हर एक अदाओं पर अक्सर फैंस अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस का दिल मचल गया है।

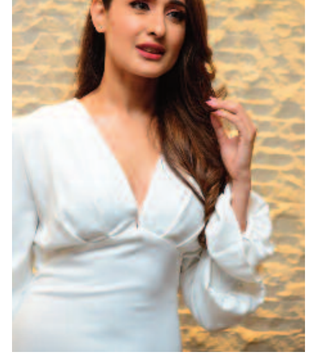

हालांकि लोगों का उनके इस लुक से निगाहें हटाना मुश्किल हो गया है। प्रज्ञा जैसवाल ने अपने इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए ग्रीन कलर का वनपीस ड्रेस पहना हुआ है। अभिनेत्री अपनी इन तस्वीरों में कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी अंदाज में पोज देते हुए फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ के पुल बांधते नहीं थकते हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपनी परफेक्ट टोंड लेग्स फ्लॉन्ट करते हुए किलर लुक्स दिए हैं। कानों में इयररिंग्स, ओपन हेयर और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारा है।

फिल्म 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दी दस्तक

टीवी शो बालिका बधू में आनंदी का किरदार निभाकर मशहूर हुई अविका गौर ने 1920ः हॉरर्स ऑफ द हार्ट के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था।10 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर 17.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।अब 1920ः हॉरर्स ऑफ द हार्ट ने ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर दस्तक दे दी है।जो दर्शक इस फिल्म को नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

डिज्नी+ हॉटस्टार ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर 1920ः हॉरर्स ऑफ द हार्ट का प्रोमो साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, क्या बदले की आग मौत के बाद भी जिंदा रहती है?यह विक्रम भट्ट की बेटी कृष्णा भट्ट के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी।1920ः हॉरर्स ऑफ द हार्ट में राहुल देव, बरखा बिष्ट, अमित बहल और अवतार गिल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में थे, जबकि इसकी कहानी महेश भट्ट और सुहृता दास ने लिखी थी।

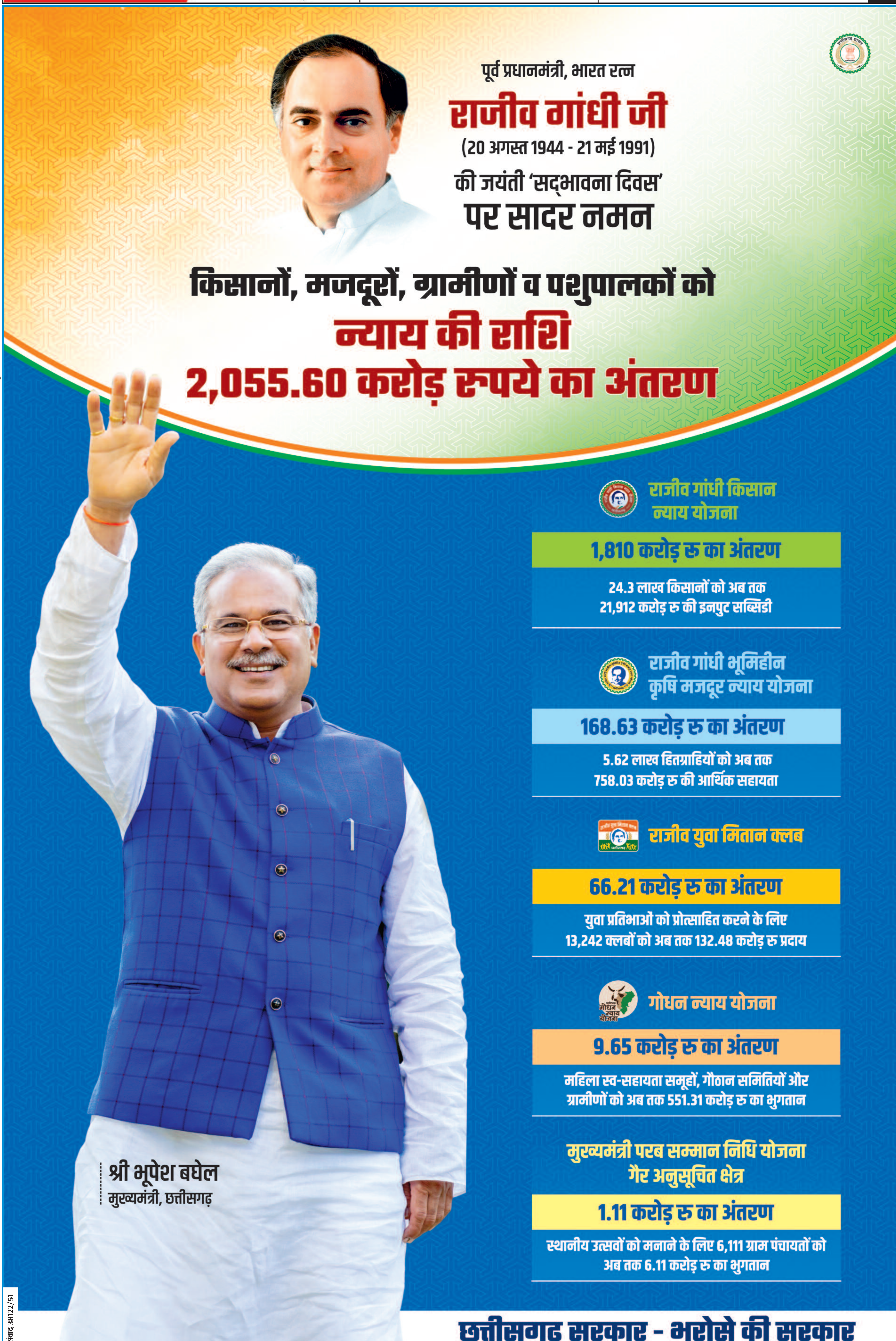

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)